सांध्य दैनिक
RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 345 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 28 सितंबर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

छत्तीसगढ़ के 12 जिलों में 40 की रफ्तार से चलेगी हवा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मानसून की एक्टिविटी अभी पूरी तरह थमी नहीं हैं। आज भी प्रदेश के कई जिलों में बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक मौसम खराब होने के दौरान कुछ जगह अचानक तेज हवा भी चल सकती है। रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव समेत 12 जिलों में 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने का अनुमान है। तापमान की बात करें तो दुर्ग 31.6 डिग्री के साथ प्रदेश में सबसे गर्म रहा। वहीं अंबिकापुर और पेंड्रारोड में न्यूनतम तापमान 19 डिग्री दर्ज किया गया।

एशियन गेम्सः बिना टॉस के सेमीफाइनल में पहुंचा भारत

नईदिल्ली। भारत और अफगानिस्तान के बीच एशियन गेम्स 2026 पुरुष क्रिकेट का क्वार्टर फाइनल बारिश की वजह से बिना टॉस हुए रद्द हो गया। लगातार खराब मौसम और मैदान की खराब स्थिति के कारण मैच को रद्द करना पड़ा। इसके साथ ही भारतीय टीम ने सेमीफइनल में जगह बना ली। मैदान की हालत मैच कराने लायक नहीं थी, क्योंकि वहां सुबह से ही काफी बारिश हुई है। मैदान लगातार कवर्स से ढका रहा है और उसे हटाया तक नहीं गया। जब दोनों टीमें स्टेडियम पहुंचीं, तब बारिश रुकी हुई थी, लेकिन आसमान में काले बादल मंडरा रहे थे। ऐसे में मैच नहीं कराने का फैसला लिया गया।

भीषण हादसाः हाईवे पर डंपर से टकराई कार, तीन की मौत

पीलीभीत। जिले में पूरनपुर-खुटार हाईवे पर चीनी मिल के निकट सोमवार को कार और डंपर की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में कार चालक समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि किशोरी समेत तीन लोग घायल हो गए। गंभीर घायल किशोरी को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। हादसे के बाद कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और चालक उसमें फंस गया था। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद उसे बाहर निकाला। उत्तराखंड के सितारगंज थाना क्षेत्र के शक्तिफार्म निवासी सनातन अपनी पत्नी साधना (38 वर्ष), पुत्र शांतनु (15 वर्ष), पुत्री खुशबू (17 वर्ष), चाचा तारष और एक अन्य वृद्ध महिला के साथ कार से शाहजहांपुर के खुटार की ओर जा रहे थे। कार तारष चला रहे थे।

आगजनी-तोड़फोड़ के बाद एलपीयू में 10 दिन की छुट्टी

जालंधर। पंजाब से भाजपा के राज्यसभा मेंबर अशोक मित्तल की फगवाड़ा स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में हुए बवाल के बाद अगले आदेश तक यहां इंटरनेट बंद कर दिया गया है। किसी तरह के भड़काऊ वीडियो से माहौल फिर खराब न हो, इसके लिए ये आदेश दिए गए हैं। वहीं पंजाब महिला आयोग ने इस मामले का संज्ञान लेते हुए कपूरथला के DC और SSP से एफआईआर की कॉपी, SIT और अब तक की जांच रिपोर्ट तलब कर ली है। आयोग ने यूनिवर्सिटी में गर्ल्स हॉस्टल के लिए किए सुरक्षा इंतजामों के बारे में भी जानकारी मांगी है। वहीं सीएम भगवंत मान ने इस मामले का संज्ञान लेते हुए कहा कि दोषियों के खिलाफसख्त कार्रवाई होगी। उनके निर्देश पर DGP ने यूनिवर्सिटी पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।

2 से 7 अक्टूबर तक सीएम साय का सिंगापुर दौरा, विकास और कारोबार सम्मेलन में होंगे शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 2 से 7 अक्टूबर तक सिंगापुर प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे भारत-सिंगापुर विकास और कारोबार सम्मेलन में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री के दौरे का मुख्य उद्देश्य छत्तीसगढ़ में विदेशी निवेश की संभावनाओं को बढ़ावा देना और प्रदेश की औद्योगिक क्षमता को वैश्विक निवेशकों के सामने रखना है।

प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री सिंगापुर के उद्योगपतियों, निवेशकों और कारोबारी प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे। इन बैठकों में छत्तीसगढ़ में उद्योग स्थापित करने, नई परियोजनाएं शुरू करने और निवेश के अवसरों पर चर्चा होगी। सरकार की ओर से प्रदेश में उपलब्ध संसाधनों, औद्योगिक क्षमता और निवेश की संभावनाओं की जानकारी भी निवेशकों के साथ साझा की जाएगी।

नई तकनीक से जुड़े क्षेत्रों पर रहेगा विशेष जोर

कार्यक्रम में उद्योग, परिवहन और नई तकनीक से जुड़े क्षेत्रों पर विशेष जोर रहेगा। संभावित निवेशकों के साथ प्रदेश में नई परियोजनाओं की स्थापना, तकनीकी सहयोग और उद्योगों के विस्तार को लेकर चर्चा होगी। तकनीकी क्षेत्र से जुड़ी कंपनियों और निवेशकों के प्रतिनिधियों के साथ भी मुख्यमंत्री संवाद करेंगे।

व्यापार व निवेश से जुड़े विषयों पर होगी चर्चा

भारत-सिंगापुर विकास और कारोबार सम्मेलन में व्यापार, निवेश और औद्योगिक सहयोग से जुड़े विषयों पर चर्चा होगी। मुख्यमंत्री साय यहां छत्तीसगढ़ में निवेश के अवसरों और उद्योगों के लिए उपलब्ध संभावनाओं की जानकारी देंगे। सरकार का उद्देश्य प्रदेश में रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देना है।

बैंकों की हड़ताल टली : कर्मचारियों की मांगों के लिए बनेगी हाई लेवल कमेटी

सप्ताह में पांच दिन काम व अन्य मांगों को लेकर होनी थी हड़ताल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बैंकों में 5 डे वर्किंग को लेकर आज से होने वाली सरकारी बैंकों की तीन दिन की हड़ताल टल गई है। 28, 29 और 30 सितंबर को होने वाली तीन दिन की देशव्यापी हड़ताल फिलहाल नहीं होगी। इंडियन बैंक एसोसिएशन और यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के बीच रविवार देर रात हुई बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक में छुट्टियों की मांग को लेकर कमेटी बनाने पर सहमति बनी है।

देशव्यापी बैंक हड़ताल का आह्वान यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (स्नक्क) ने किया था। इंडियन बैंक्स एसोसिएशन और यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के बीच रविवार रात हुई बातचीत के बाद प्रस्तावित हड़ताल वापस लेने का फैसला हुआ। बातचीत में सबसे अहम सहमति 5-डे बैंकिंग वीक की मांग को लेकर बनी। इस मुद्दे पर तुरंत एक हाई-लेवल कमेटी बनाने पर सहमति हुई है। इसके बाद स्नक्क ने अपनी दूसरी प्रस्तावित गतिविधियों को भी फिलहाल टाल दिया है।

रविवार को खुले रहे बैंक

देशभर में बैंकों की तीन दिवसीय प्रस्तावित हड़ताल को देखते हुए रविवार को बैंक खुले रखे गए। रविवार को सामान्य दिनों की तरह ही काम हुआ। तीन दिन की हड़ताल को देखते हुए रविवार को बड़ी संख्या में लोग अपने काम निपटाने बैंक पहुंचे। इस दौरान कैश जमा करने, चेक जमा करने व केवाईसी सहित अन्य कार्य सामान्य दिनों की तरह ही होते रहे। हड़ताल टलने के बाद बैंक ग्राहकों ने भी राहत की सांस ली है।

5-डे बैंकिंग वीक फिलहाल नहीं होगी लागू

हड़ताल टलने के साथ ही 5-डे बैंकिंग वीक फिलहाल लागू नहीं हुआ है। अब भी बैंकों में हर महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को ही छुट्टी रहती है। बाकी शनिवार को बैंक सामान्य रूप से काम करते हैं। नई जॉइंट कमेटी हर शनिवार बैंकों में अवकाश घोषित करने के विकल्प पर विचार करेगी। इसके अलावा दूसरे विकल्पों पर भी चर्चा होगी। इसमें ग्राहकों और दूसरे संबंधित पक्षों से सलाह लेने की बात भी कही गई है। कमेटी कब तक अपनी सिफारिश देगी, इसकी कोई तय समयसीमा नहीं बताई गई है। इसलिए फिलहाल बैंक मौजूदा व्यवस्था के हिसाब से ही काम करेंगे और ग्राहकों को पहले की तरह सेवाएं मिलती रहेंगी।

भिलाई में होगा पीएम की जल-जन सेवा संकल्प यात्रा का अभिनंदन

■ 29 सितंबर को भिलाई पहुंचेगी यात्रा, भाजयुमो ने की तैयारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारतीय जनता युवा मोर्चा के शीर्ष नेतृत्व के द्वारा जल जन सेवा संकल्प यात्रा जो की वड़नगर से वाराणासी तक जानी है यह यात्रा जो की 17 सितंबर 2026 माननीय मोदी जी के जन्मदिन से प्रारंभ हुई है। यह यात्रा29 सितंबर को दोपहर 2 बजे भिलाई पहुचेगी जिसमे युवा मोर्चा जिला भिलाई के 500 कार्यकर्ता भी बाइक के माध्यम से इस यात्रा में शामिल होंगे एवं यात्रा के दौरान जितने भी स्थान में यह यात्रा जाएगी उसमे यात्रियों के साथ चलकर यात्रा को सफल बनाने में अपना योगदान देंगे।

यात्रा में विभिन्न जगहों में रुक कर जैसा की यात्रा का नाम है सेवा संकल्प यात्रा इसी विषय को ध्यान में रखते हुए अपनी सेवाये दे रहे है, उसी के तारतम्य में भिलाई जिले में भी विभिन्न जगहों पर स्वागत एवं सेवा का कार्य होना है। यह यात्रा भिलाई जिला में 32 बंगला से प्रारंभ होकर चरोदा तक होनी है, जिसमे सेक्टर-9 चौक में स्वागत कार्यक्रम उसके पश्चात हुडको स्थित गौशाला में सेवा कार्य एवं फ़ीलपरमार्थम सेक्टर-3 में मानसिक रूप से विक्षिप्त लोगो की सेवा कार्य इसके पश्चात यह यात्रा भिलाई में चरोदा होते हुए रायपुर के लिए प्रस्थान करेगी।

दिल्ली में नाबालिग से दुष्कर्म मामले में सुप्रीम कोर्ट सख्त, व्यवस्था पर उठाए सवाल

नईदिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में दुष्कर्म के हालिया मामलों और दिल्ली में चलती स्लीपर बस में नाबालिग से यौन उत्पीड़न के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वत संज्ञान लिया है। कोर्ट ने कहा कि इन घटनाओं से 2012 की निर्भया घटना की दर्दनाक यादें ताजा होती हैं। इनमें सार्वजनिक पार्क में एक किशोरी के साथ हुई हालिया घटना भी शामिल है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इन घटनाओं से कानून लागू करने वाली एजेंसियों की विफलता साफ तौर पर सामने आती है। सार्वजनिक स्थानों, जिनमें पार्क और बसें भी शामिल हैं, को रोशनी की कमी, निगरानी की कमजोर व्यवस्था और अन्य प्रशासनिक सुविधाओं के अभाव में जोखिम वाले क्षेत्र बनने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने कोर्ट की रजिस्ट्री को इस मुद्दे पर स्वतः संज्ञान लेते हुए जनहित याचिका दर्ज करने और सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि केवल एकजुटता जताना पर्याप्त नहीं है। जरूरी है कि जिम्मेदारी तय की जाए और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर स्वत संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज करने का निर्देश दिया है। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस पारदीवाला ने कहा, हालिया घटनाओं की 2012 के निर्भया मामले से दर्दनाक समानताएं सामने आती हैं।

एशियन गेम्स में ईशा ने भारत को सिल्वर दिलाया, शुटिंग में 12 वां मैडल

नागोया ए.। शूटर ईशा सिंह ने जापान के नागोया में चल रहे एशियन गेम्स में भारत को सिल्वर दिलाया। वे महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल में मामूली अंतर से गोल्ड से चूक गईं। सोमवार को फाइनल में ईशा को मेडल के लिए पांच शूट-ऑफ का सामना करना पड़ा। उन्होंने पहले सिल्वर के लिए मुकाबला जीता और फिर गोल्ड के लिए भी चुनौती पेश की। दूसरे शूट-ऑफ में ईशा ने पांच में से तीन शॉट मिस किए, जबकि चीन की शियाओ ने दो शॉट मिस किए। ईशा ने 580 अंक के साथ फाइनल के लिए क्वालिफाई किया था। जबकि, मनु मेडल इवेंट तक नहीं पहुंची। भारत मेडल टैली के 12वें स्थान पर है। उसके पास 39 मेडल हैं। इनमें 4 गोल्ड, 17 सिल्वर और 18 ब्रॉन्ज शामिल हैं।

उत्तराखंड में बर्फबारी से पर्वतारोही फंसे, यूपी के गोंडा-बदायूं में पुल डूबे, 82 हजार लोग प्रभावित

देहरादून ए.। उत्तराखंड में लैंडस्लाइड से आदि कैलाश मार्ग समेत 86 सड़कें बंद हैं। इनमें चमोली की 21, नैनीताल की 18 और पिथौरागढ़ की 15 सड़कें शामिल हैं। बर्फबारी के बीच उत्तरकाशी के ऊंचाई वाले इलाकों में 136 पर्वतारोही, ट्रैकर और सपोर्ट स्टाफ फंसे हैं। उनका रेस्क्यू किया जा रहा है।

वहीं, नेपाल से गंडक नदी में पानी छोड़े जाने के बाद बिहार के पश्चिम चंपारण और सुपौल के 23 गांवों में बाढ़ आ गई। बाढ़ से करीब 82 हजार लोग प्रभावित हुए हैं।

उत्तर प्रदेश में 4 दिनों से लगातार बारिश के कारण कई नदियां उफान पर हैं। गोंडा और बदायूं में छोटे पुलों के ऊपर से पानी बह रहा है। आंधी-बारिश से पिछले 2 दिनों में 63 लोगों की मौत हुई है। प्रदेश में 8 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। कुशीनगर में 2 गांवों के 1,400 परिवार प्रभावित हैं। राज्य के 46 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा- देशद्रोही आचरण पर उतारू हैं राहुल गांधी

■ प्रेस वार्ता में सीएम साय ने राहुल की बयानबाजी पर किया पलटवार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में पत्रकार वार्ता कर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस चुनाव हारने की बौखलाहट में संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम कर रही है। सीएम ने कहा कि राहुल गांधी को देश की जनता और चुनाव आयोग से माफी मांगनी चाहिए।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग के ताजा स्पष्टीकरण से कांग्रेस के उन दावों की पुष्टि नहीं होती, जिनमें आयोग के भीतर मतभेद की बात कही गई थी। आयोग के मुताबिक एसआईआर से जुड़े फैसले तीनों चुनाव आयुक्तों की सर्वसम्मति से लिए गए हैं और 26 सितंबर की प्रेस नोट को पूर्ण आयोग की मंजूरी मिली है। हालांकि, कांग्रेस ने इस स्पष्टीकरण को खारिज करते हुए आयोग की निष्पक्षता और कार्यप्रणाली पर सवाल बरकरार रखे हैं। पत्रकार वार्ता में उप मुख्यमंत्री अरुण साव, मंत्री राजेश अग्रवाल, सांसद संतोष पांडेय और नवीन मार्कंडेय मौजूद रहे।

बिना शर्त चुनाव आयोग से माफी मांगें राहुल

साय ने कहा कि कांग्रेस जब चुनाव हारती है तो ईवीएम और चुनाव आयोग पर सवाल उठाती है। उन्होंने कहा कि आयोग के सर्वसम्मत स्पष्टीकरण के बाद कांग्रेस नेतृत्व को देश और संवैधानिक संस्थाओं से बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए। राहुल गांधी पहले भी माफी मांग चुके हैं, लेकिन बाद में इसी तरह के बयान देते रहे हैं। अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट में कैबिनेट सचिव को लिखे पत्र के उल्लेख पर साय ने कहा कि वह एसआईआर या किसी नीतिगत विषय से संबंधित नहीं, बल्कि सामान्य प्रशासनिक मामला था। चुनाव आयोग राष्ट्रपति के प्रति जवाबदेह है, इसलिए नीतिगत मामलों में कैबिनेट सचिव को पत्र लिखने का सवाल नहीं उठता।

उज्जैन में मस्जिद तोड़ने पर हंगामा, पांच सोशल मीडिया इन्फ्लुएंशर पर एफआईआर

मुस्लिम समाज ने खुद से शुरू किया मस्जिद तोड़ना

उज्जैन। मध्यप्रदेश के उज्जैन में सड़क चौड़ी करने के लिए शाही मस्जिद का एक हिस्सा तोड़ने पर सोमवार सुबह जमकर हंगामा हुआ। पुलिस पर पथराव हुआ और आंसू गैस के गोले दागे गए। एक महिला थाना प्रभारी घायल हो गई। सोमवार सुबह हुए हंगामे के बाद पुलिस ने 10 लोगों पर एफआईआर की है, उनमें 5 सोशल मीडिया इन्फ्लुएंशर हैं। इन पर माहौल बिगाड़ने का आरोप है। हालांकि अभी इनकी गिरफ्तारी की जानकारी नहीं मिली है।

बता दें सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के तहत उज्जैन के कंठाल चौराहे से गोपाल मंदिर तक 15 मीटर सड़क चौड़ीकरण का काम तेजी से चल रहा है। करीब 900 मीटर लंबे इस मार्ग पर निर्माण में बाधा बन रहे 60 धार्मिक स्थलों में से अधिकांश को हटाया जा चुका है। हालांकि शाही मस्जिद और खड़े हनुमान मंदिर के पास स्थित मजार को लेकर पिछले दिनों तनाव और विरोध की स्थिति बनी और प्रभावित हिस्से को हटाने के दौरान उज्जैन में पथराव की स्थिति बनी।

कार्रवाई की आशंका को देखते हुए यहां जेसीबी और पोकलेन मशीनों के साथ करीब 2 हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई। प्रशासनिक गतिविधियां बढ़ने के बाद शनिवार रात से मुस्लिम समाज के लोग शाही मस्जिद परिसर और आसपास की सड़कों पर एकत्र होने लगे और नारेबाजी शुरू कर दी। विरोध का सिलसिला रविवार रात तक जारी रहा।

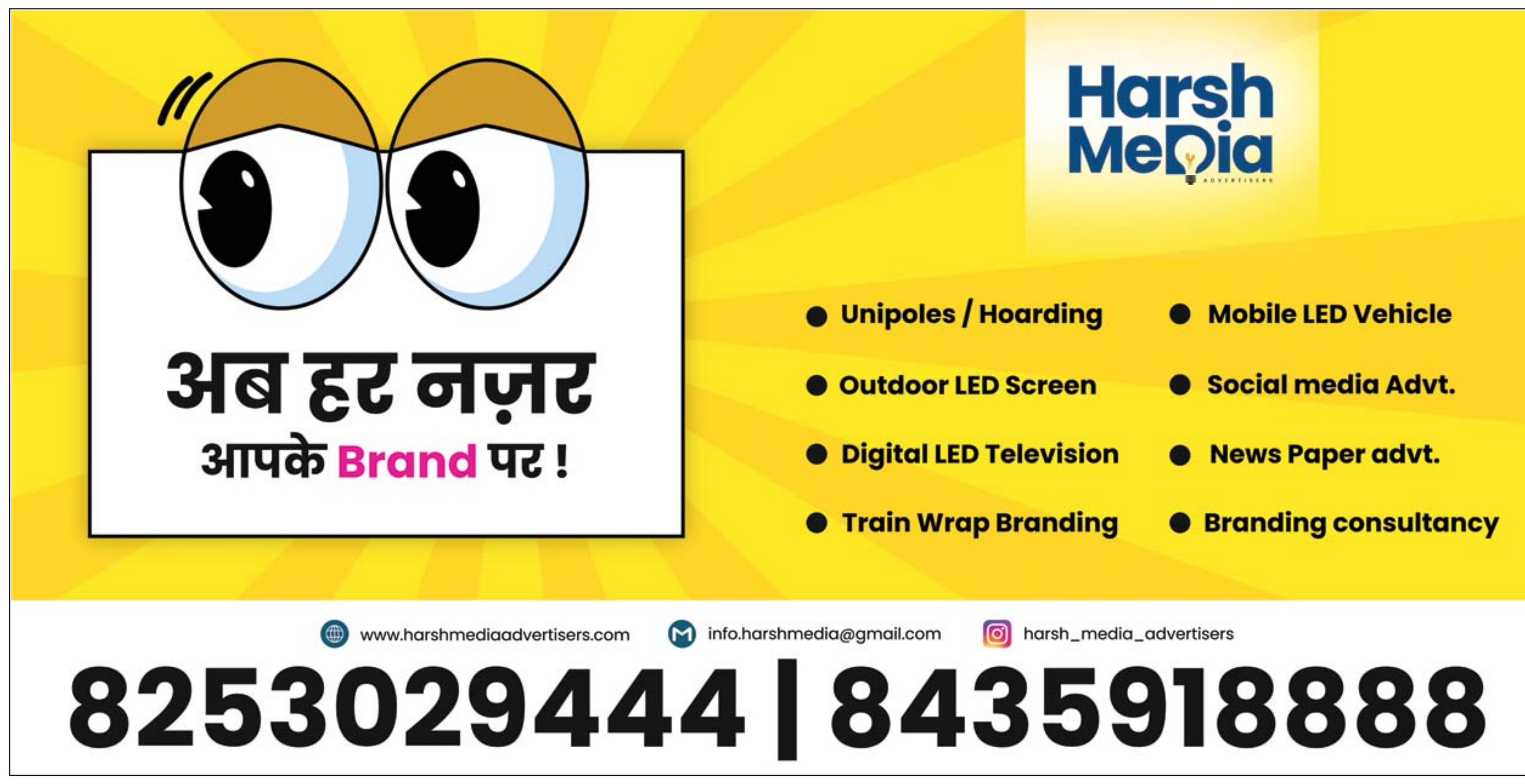

संपादकीय

हरियाणवी प्रतिभाओं को संबल

पेटेंट संग इनोवेशन हेतु मजबूत मार्केट भी हो

हरियाणा सरकार के उस फैसले का स्वागत ही किया जाना चाहिए, जिसमें सरकार ने राज्य में नई खोजों को प्रोत्साहन देने के लिये पचास हजार रुपये तक की, पेटेंट रजिस्ट्रेशन फीस की प्रतिपूर्ति करने का निर्णय किया है। निश्चय ही इस कदम से उन छात्रों को संबल मिलेगा जो सीमित संसाधनों में राज्य व देश के लिये कुछ महत्वपूर्ण खोज करने का संकल्प रखते हैं। लेकिन पेटेंट तो महज एक शुरुआत भर है। असली मुश्किल सवाल यह है कि पेटेंट सर्टिफिकेट मिलने पर मेधावी युवा क्या करेंगे। निर्विवाद रूप से भारत में प्रतिभावान छात्रों, रिसर्च पेपर्स या पेटेंट की कोई कमी नहीं है। दरअसल, कमी है तो उस इकोसिस्टम की जो किसी विचार या आइडिया को लैब या विश्वविद्यालय प्रोजेक्ट से निकालकर व्यावसायिक दृष्टि से सफल उत्पाद बनाता है। यही वजह है कि छात्रों को पेटेंट के लिये पैसे देने में मदद करने वाली नीति के साथ-साथ प्रोटोटाइपिंग, टेस्टिंग, बौद्धिक संपदा संरक्षण और नये विचार को मार्केट तक पहुंचाने में मदद मिलनी चाहिए। अन्यथा खोज व अनुसंधान अर्थव्यवस्था के महज पेटेंट कल्चर तक ही सिमट जाने का खतरा पैदा हो सकता है। जिसमें समाधान खोजने के बजाय पेटेंट फाइल करने पर इनाम दिया जाता है। सही मायने में इसके लिये कारगर समाधान तलाशने हेतु विश्वविद्यालयों को उद्योग जगत से और करीब से जोड़ने की जरूरत है। छात्रों को वास्तविक दुनिया की समस्याओं की पहचान करने,कंपनियों और सरकारी संस्थानों के साथ काम करने और ऐसे उत्पाद बनाने के लिये प्रोत्साहित किया जाना चाहिए, जिनके लिये चिन्हित उपयोगकर्ता की पहले से पहचान हो सके।

> “ निर्विवाद रूप से भारत में प्रतिभावान छात्रों, रिसर्च पेपर्स या पेटेंट की कोई कमी नहीं है। दरअसल, कमी है तो उस इकोसिस्टम की जो किसी विचार या आइडिया को लैब या विश्वविद्यालय प्रोजेक्ट से निकालकर व्यावसायिक दृष्टि से सफल उत्पाद बनाता है। यही वजह है कि छात्रों को पेटेंट के लिये पैसे देने में मदद करने वाली नीति के साथ-साथ प्रोटोटाइपिंग, टेस्टिंग, बौद्धिक संपदा संरक्षण और नये विचार को मार्केट तक पहुंचाने में मदद मिलनी चाहिए। अन्यथा खोज व अनुसंधान अर्थव्यवस्था के महज पेटेंट कल्चर तक ही सिमट जाने का खतरा पैदा हो सकता है।

सही मायने में राज्य में शोध-अनुसंधान का वातावरण बनाने के लिये तमाम व्यावहारिक पक्षों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। नई खोज करने वाले प्रतिभागियों को वित्तीय मदद, उत्पादन के लिये उपयोगी ढांचा, रेगुलेशन और मार्केटिंग से जुड़ी चुनौतियों से निपटने में मदद की जानी चाहिए। हरियाणा के लिये यह अवसर बेहद महत्वपूर्ण है। राज्य के विश्वविद्यालय और तकनीकी संस्थान खेती से जुड़ी विभिन्न तकनीकों, जल प्रबंधन, उत्पादन, हेल्थकेयर और स्वच्छ ऊर्जा आदि अन्य क्षेत्रों में इनोवेशन के इंजन बन सकते हैं। इसके लिये सिर्फ एक बार प्रोत्साहन राशि देने के बजाय लगातार निवेश करने की जरूरत होगी। राज्य को अपनी पेटेंट पॉलिसी की सफलता को सिर्फ पेटेंट की फीस की प्रतिपूर्ति वाले आवेदनों की संख्या से नहीं, बल्कि इस बात से अपनी सफलता का मूल्यांकन करना चाहिए कि उन पेटेंटों से व्यवहार में क्या हासिल हुआ। मसलन राज्य में कितने स्टार्ट-अप बने। राज्य में कितनी टेक्नोलॉजी का व्यवसायीकरण हुआ। उससे राज्य में नौकरियों की संख्या में कितनी वृद्धि हुई। इस बात में दो राय नहीं हो सकती है कि पेटेंट किसी विचार या खोज को सुरक्षा देता है। लेकिन वह इस बात की गारंटी कदापि नहीं है कि व्यवहार में उसका उपयोग राज्य व देश के लिये कितना लाभदायक होगा। यही वजह है कि हरियाणा को व्यवहार में ज्यादा से ज्यादा समस्याओं के समाधान करने वाले उद्यमों और उत्पाद बनाने का लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए।

हम शास्त्रों से काम की बात निकाल कर बच्चों को सौंपें

पं. विजयशंकर मेहता

शास्त्रों को शुद्ध रखना कठिन काम है। अपने-अपने समय में लोग इनमें घट-जोड़ करते रहेंगे और जरूरी नहीं है कि यह काम विद्वान ही करें। जिसमें जितनी अक्ल होगी, वह शास्त्रों को वही रूप दे देगा। एक शास्त्र है गीता। इसके साथ खूब प्रयोग हुआ, खूब व्याख्याएं की लोगों ने। लेकिन जिसको गीता समझ में आई, वह उसमें कुछ नहीं जोड़ता। क्योंकि, उसका मानना है कि जो मिल गया, वही मिलना था। और जो मिलना था, वह मिल गया तो फिर क्या घट-जोड़।

यहां हम एक खेल का उदाहरण लें- वॉलीबॉल। 'वॉली' शब्द का अर्थ है प्रहार करके उछालना। लोगों ने शास्त्रों के शब्दों के साथ अपनी विद्वत्ता को लेकर वॉलीबॉल खेलना शुरू किया और अधिकांश शास्त्रों के साथ यही हो रहा है। उनके शब्दों को समझने, जीने की जगह बस उछाला जा रहा है।

इसीलिए नई पीढ़ी शास्त्रों से दूर हो रही है। उनका कहना है, इतना क्लिष्ट हो गया है सबकुछ कि हमें समझ नहीं आता। तो हम अपने शास्त्रों में घट-जोड़ करने की जगह जो काम की बात है वो निकालें और अपने बच्चों को सौंपें।

जन्मशताब्दी वर्ष में एक युगपुरुष का पुण्य स्मरण

नरेन्द्र मोदी

स्वर्गीय अशोक सिंघल ने अपने जीवन में इस महान राष्ट्र के उत्कर्ष का ही स्वप्न देखा। उनकी जन्मशती के पावन अवसर पर हम सुनिश्चित करें कि युवा उनके विराट व्यक्तित्व और महानता से परिचित हों। एक बहुत सुंदर सुभाषित है, 'वृक्ष कबहुं नहिं फल भखै, नदी न संचै नीर। परमारथ के कारने, साधुन धरा शरीर।' अभिप्राय है कि पेड़ कभी अपने फल नहीं खाता, नदी अपना जल अपने पास नहीं रखती। इसी तरह, संत स्वभाव के लोग भी स्वयं को प्राथमिकता न देते हुए, अपना जीवन लोक कल्याण के लिए समर्पित कर देते हैं। हमारे ऋषियों ने यही सिखाया है कि मानवता के कल्याण के लिए समर्पित जीवन का महत्व व्यक्तिगत उपलब्धियों से कहीं अधिक होता है। श्रद्धेय अशोक सिंघल जी का जीवन इस भावना का पुण्य उदाहरण है।

27 सितंबर से हम स्वर्गीय अशोक सिंघल जी का जन्म-शताब्दी वर्ष मनाने जा रहे हैं। यह महान विभूति के सम्मान का सुअवसर है। उन्होंने आध्यात्मिक साधना, सांस्कृतिक जागरण और दशकों तक समर्पित भाव से समाज-संगठन के कार्यों को आगे बढ़ाया।

यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे स्वर्गीय अशोक जी के साथ लंबे समय तक कार्य करने, उनसे सीखने, संवाद करने और उनका स्नेह प्राप्त करने का अवसर मिला। मुझे 1981 का प्रसंग याद है। तब मैं एक युवा कार्यकर्ता के तौर पर संगठन की जिम्मेदारियां निभा रहा था। तब मुझे अशोक जी का हस्तलिखित पत्र मिला। उन्होंने आगामी एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी और मुझे कुछ जिम्मेदारियां सौंपीं। तब अशोक सिंघल जी से पत्र पाना मेरे लिए एक यादगार क्षण बना।

मैंने उन्हें दशकों तक दिन-रात काम करते देखा। वे देश के दूर-दराज के क्षेत्रों की लंबी और कई कठिन यात्राएं किया करते थे। गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों में जाना उन्हें विशेष प्रिय था। वे चिंतन करते थे कि समाज के वंचित और अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों के लिए और क्या किया जाए। जब भी देश में कहीं प्राकृतिक आपदा आती तो सिंघल जी सबसे पहले वहां पहुंचने वालों में होते या फिर प्रभावित लोगों की सहायता के लिए कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन देते। वर्ष 2001 में कच्छ के भूकंप के बाद उनके साथ का मेरा अनुभव अविस्मरणीय बना।

अशोक जी अत्यंत प्रतिष्ठित और संपन्न परिवार से थे। उनके पिता श्री महावीर की एक प्रशासक के रूप में पहचान थी। उनके एक भाई बी.पी. सिंघल पुलिस अधिकारी बने और बाद में सांसद भी रहे। दूसरे भाई वी.पी. सिंघल त्रिपुरा के तब मुख्य सचिव बने, जब यह नया राज्य बना था।

परिवार के अन्य सदस्यों ने भी कॉमर्स और कृषि के क्षेत्र में सफलता हासिल की। लेकिन शुरू से ही अशोक जी का झुकाव बिल्कुल अलग दिशा में था। छोटी उम्र में ही उनके व्यवहार में दूसरों के प्रति करुणा और सेवा की अद्भुत भावना दिखने लगी। वे चाहते थे कि भारत का पुनरुत्थान हो व मां भारती की संतानें गौरवशाली उपलब्धियां हासिल करें। प्रयागराज में पले-बढ़े अशोक जी घंटों संगम तट पर बैठते। वहां आने वाले साधु-संतों और श्रद्धालुओं से भी उनकी बहुत आत्मीयता थी। इससे सांस्कृतिक लोकाचार की उनकी समझ और समृद्ध हुई। समाज हेतु कुछ करने का संकल्प भी और दृढ़ हुआ। दूसरों के लिए जीने की ललक उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में ले आई। जो भी जिम्मेदारी मिली, उसे उन्होंने पूरे उत्साह, अनुशासन और कर्तव्यभाव से निभाया।

उन्होंने अपने अथक परिश्रम से अनेक संस्थाओं और आंदोलनों को मजबूत किया। अपनी ओजस्वी वाणी और अभिव्यक्ति की अद्भुत शैली से वे सभा को मंत्रमुग्ध कर देते थे। साथी कार्यकर्ताओं के प्रति वे अत्यधिक स्नेह रखते थे। प्रत्येक व्यक्ति उनकी सादगी से प्रभावित हुए बिना नहीं रहता था। साधु-संतों के बीच भी उनका काफी सम्मान था। संतगण उनके परामर्श को महत्व देते और उनकी बातों को पूरे आदरभाव से सुनते।

मेरी स्मृति में ऐसी दो घटनाएं उभर रही हैं, जिनसे अशोक सिंघल जी के विराट व्यक्तित्व को समझा जा सकता है। पहली घटना 1993 की है। विश्व हिंदू परिषद ने स्वामी विवेकानंद के शिकागो संबोधन के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में अमेरिका में एक सम्मेलन आयोजित किया। विदेश में ऐसे भव्य सम्मेलन का विजन, उसकी प्लानिंग और विभिन्न समूहों को एक मंच पर लाने का भगीरथ प्रयास अशोक जी के संगठनात्मक कौशल का परिचायक था।

दूसरी घटना वर्ष 2000 की है, जब त्रिनिदाद और टोबैगो के पोर्ट ऑफ स्पेन में विश्व हिंदू सम्मेलन का आयोजन हुआ था। उस समय मैं भी वहीं था। मैंने प्रत्यक्ष देखा कि सिंघल जी की उपस्थिति ने अन्य प्रतिनिधियों में कितना उत्साह भर दिया था। मेरे संबोधन के बाद उन्होंने जिस तरह मेरी सराहना की, वह मेरे लिए बहुत भावुक कर देने वाला अनुभव था। मैंने अनुभव किया कि उनका प्रोत्साहन कैसे हर कार्यकर्ता को नई ऊर्जा से भर देता था।

राम जन्मभूमि आंदोलन में अशोक सिंघल जी की ऐतिहासिक भूमिका का स्मरण किए बिना उनका कोई भी उल्लेख अधूरा है। वर्ष 1991 की बोट क्लब रैली में उनके ओजस्वी संबोधन को कौन भूल सकता है? या आंदोलन के चरम पर लहूलुहान और घायल अवस्था में अशोक जी की वह ऐतिहासिक तस्वीर भला किसकी स्मृति से मिट सकती है? आज अयोध्या में भव्य राम मंदिर है तो इसमें अशोक जी जैसी विभूतियों का नि:स्वार्थ समर्पण है, जिन्होंने इसे संभव बनाने में सर्वस्व अर्पित किया। आज यदि अशोक जी हमारे बीच होते, तो अयोध्या में राम मंदिर को देखकर वे सर्वाधिक भावुक एवं प्रसन्न होते।

स्वर्गीय अशोक सिंघल जी मानते थे कि समाज में समरसता के साथ ही भाईचारे का संदेश मजबूत होना चाहिए। उन्होंने सामाजिक एकता और समानता के लिए निरंतर कार्य किया। उनका मत था कि समाज में किसी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति समान गरिमा व सम्मान का अधिकारी है। तभी उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर की पहली ईंट रखने को लेकर अपने विचार को स्पष्ट रूप से रखा। उन्होंने ही कहा था कि यह पुनीत कार्य बिहार के वीएचपी कार्यकर्ता और वंचित वर्ग से आने वाले कामेश्वर चौपाल जी के हाथों से हो। काशी में एक धर्म संसद में उन्होंने डोम राजा को सम्मानित करने का फैसला किया और कई सामुदायिक अभियानों में उनके साथ मिलकर काम किया।

राष्ट्र-निर्माण के साथ ही अशोक सिंघल जी के दो ऐसे प्रिय क्षेत्र थे, जो उनके हृदय के अत्यंत निकट थे—शिक्षा (विशेषकर वैदिक शिक्षा) और संगीत। दोनों से उनका गहरा लगाव था। वाराणसी के सांसद के रूप में मुझे इस बात पर अत्यंत गर्व की अनुभूति होती है कि जहां का मैं प्रतिनिधित्व करता हूं, उस शाश्वत काशी ने अशोक सिंघल जी के जीवन में अहम भूमिका निभाई। वे बीएचयू के मेधावी छात्र थे। वे एकल विद्यालय की पहल से भी जुड़े थे, जिसने दूर-दराज के गांवों, खासकर जनजातीय समुदायों तक बुनियादी शिक्षा पहुंचाने का कार्य किया। वे जितने गहरे अध्येता व उत्साही पाठक थे, उतने ही अच्छे श्रोता भी थे। वे युवा कार्यकर्ताओं को पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरित करते थे।

अशोक जी को निकट से जानने वालों को पता है कि वे कितना सुंदर गाते थे। मुझे नागपुर की उन बैठकों की याद आती है, जिनमें वे 'एकल गीत' गाया करते थे। मंत्रमुग्ध करता उनका गायन बैठक में नई ऊर्जा भर देता था। वर्ष 2015 में उनके 90वें जन्मदिवस समारोह का एक वीडियो खूब वायरल हुआ था, जिसमें उन्होंने 'हे मातृभूमि मेरी, हे पितृभूमि मेरी' गाकर सभी को चौंका दिया था।

स्वर्गीय अशोक सिंघल ने अपने जीवन में इस महान राष्ट्र के उत्कर्ष का ही स्वप्न देखा। उनकी जन्मशती के पावन अवसर पर हम सुनिश्चित करें कि युवा उनके विराट व्यक्तित्व और महानता से परिचित हों। आइए, हम अपने राष्ट्र व देशवासियों के लिए अशोक सिंघल जी के सपने साकार करने के संकल्प को एक बार फिर दोहराएं।

स्वस्थ भारत लेबल से ही नहीं, बेहतर खाद्य व्यवस्था से बनेगा

डॉ. चन्द्रकान्त लहारिया

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद भारत में पैकेटबंद खाद्य पदार्थों के सामने चेतावनी लेबल लगाने की दिशा में प्रगति हुई है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने प्रस्ताव दिया है कि जिन खाद्य पदार्थों में चीनी, नमक या संतृप्त वसा अधिक हो, उनके पैकेट के सामने लाल षट्कोण में 'हाई शुगर', 'हाई साल्ट' या 'हाई फैट' जैसी चेतावनी लिखी जाए। उपभोक्ता को यह जानने का अधिकार है कि वह जो खरीद रहा है, उसमें स्वास्थ्य के लिए चिंता पैदा करने वाले तत्व कितनी मात्रा में हैं।

अभी किसी बिस्किट, नमकीन, खाद्य या पेय की पैकिंग के सामने बड़े अक्षरों में 'हाई प्रोटीन', 'मल्टीग्रेन', 'नेचुरल' या 'विटामिन युक्त' लिखा होता है, जबकि चीनी, नमक और वसा की जानकारी पीछे छोटे अक्षरों में छिपी रहती है। सामान्य ग्राहक मार्केट में खड़े होकर पोषण तालिका का गणित नहीं करता। इसलिए पैकेट के सामने चेतावनी उपभोक्ता के अधिकार का प्रश्न है।

कनाडा में जनवरी 2026 से ऐसे पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर सामने स्पष्ट प्रतीक अनिवार्य हैं, जिनमें संतृप्त वसा, शुगर या सोडियम तय सीमा से अधिक है। चिली, मैक्सिको और कई अन्य देशों ने भी चेतावनी-आधारित मॉडल अपनाए हैं। चिली में 2016 में चेतावनी चिह्न लागू होने के बाद मीठे पेयों की खरीद में गिरावट देखी गई। जब जानकारी साफ और तुरंत समझ आने वाली हो, तो वह व्यवहार को प्रभावित कर सकती है।

लेकिन प्रस्ताव में कमियां भी हैं। पहले चरण में चेतावनी तभी लगाने की बात है जब तीन चिंताजनक पोषक तत्वों में से कम से कम दो निर्धारित सीमा से अधिक हों। इस प्रावधान के साथ समस्या है, जैसे कि अत्यधिक चीनी वाला कोई उत्पाद केवल इसलिए चेतावनी से बच जाए क्योंकि उसमें नमक और वसा कम हैं। सिद्धांत सरल होना चाहिए- यदि चीनी अधिक है तो चीनी की चेतावनी, नमक अधिक है तो नमक की, और संतृप्त वसा अधिक है तो उसकी। चेतावनी इतनी बड़ी और स्पष्ट हो कि खरीदते समय दिखाई दे। यह भी याद रखना होगा कि अभी प्रस्ताव कानून नहीं बना है। भारत में फ्रंट-ऑफ-पैक लेबलिंग पर चर्चा एक दशक से चलती रही है। अनेक मसौदे, समितियां और परामर्श हुए, लेकिन अंतिम निर्णय टलता रहा। ऐसे उपाय अनिश्चितकालीन विचार-विमर्श में नहीं फंसने चाहिए।

उद्योग को बदलाव के लिए उचित समय मिले, पर समयसीमा स्पष्ट हो। फिर भी चेतावनी लेबल को बढ़ते मोटापे और अस्वस्थ खान-पान की जादुई दवा समझना गलती होगी। भोजन का चुनाव कीमत, उपलब्धता, विज्ञापन, आदत, परिवार, स्वाद और सामाजिक परिवेश से तय होता है। जिस बच्चे को दिन भर विज्ञापनों में जंक फूड दिखाया जा रहा हो, उसके लिए पैकेट का लाल निशान पर्याप्त नहीं होगा।

इसलिए समाधान समग्र होना चाहिए। अस्वस्थ खाद्य विज्ञापनों पर कड़े नियम हों, स्कूलों के आसपास स्वस्थ भोजन उपलब्ध हो, मीठे पेयों और अत्यधिक अस्वस्थ उत्पादों पर कर जैसे उपायों पर विचार हो, कंपनियों को उत्पादों में नमक, चीनी और वसा घटाने के लिए प्रोत्साहित किया जाए और फल, दाल, दूध, मोटे अनाज तथा कम-प्रोसेस्ड भोजन को सुलभ बनाया जाए। पोषण शिक्षा जरूरी है, लेकिन पूरी जिम्मेदारी उपभोक्ता पर डालना अनुचित है। लेबल के साथ ऐसी नीतियां भी चाहिए जो उद्योगों को स्वास्थ्यकर उत्पाद बनाने के लिए प्रेरित करें।

फ्रंट-ऑफ-पैक चेतावनी न तो खाद्य उद्योग के खिलाफ अभियान है, न यह तय करती है कि कोई खाद्य पदार्थ कभी खाया ही न जाए। इसका उद्देश्य इतना है कि खरीद का फैसला भ्रम या चमकदार विज्ञापन के बजाय स्पष्ट जानकारी के साथ हो।

इसलिए हमें दो अतियों से बचना चाहिए- यह कहना कि लेबल सब बदल देगा और क्योंकि वह सब नहीं बदल सकता, इसलिए उसकी जरूरत नहीं। सार्वजनिक स्वास्थ्य में अकसर परिणाम किसी एक बड़े कदम से नहीं, बल्कि कई छोटे और सही कदमों के साथ आने से बनते हैं। भारत को इसे स्पष्ट, मजबूत और शीघ्र लागू करना चाहिए। साथ ही समझना चाहिए कि स्वस्थ भारत केवल बेहतर लेबल से नहीं, बेहतर खाद्य व्यवस्था से बनेगा।

भारत में फ्रंट-ऑफ-पैक लेबलिंग पर चर्चा एक दशक से चलती रही है। अनेक मसौदे, समितियां व परामर्श हुए, लेकिन अंतिम निर्णय टलता रहा। सार्वजनिक स्वास्थ्य के ऐसे उपाय अनिश्चितकालीन विचार-विमर्श में नहीं फंसने चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

देश की राजनीति में बदलाव के सवाल पर हो मंथन

ज्योति मल्होत्रा

लोकतंत्र में जरूरी है कि सत्ता असहमति की आवाज भी सुने। देश में पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह की नाराज़गी कॉकरोच जनता पार्टी के आक्रोश सरीखी है। ये व्यवस्था में बेचैनी के संकेत विपक्ष के अलावा सहयोगी दलों व खुद भाजपा में भी हैं। वजह हैं चुनाव आयोग की विश्वसनीयता व शिक्षा की अनदेखी जैसे मुद्दे।

पुरानी व्यवस्था निरंतर बदल रही है और उसकी जगह नया निज़ाम ले रहा है, लेकिन पिछले कुछ घंटों में ऐसा लगा कि बुजुर्ग हों या युवा, दोनों ही, सत्ताधारियों के प्रति अपनी निराशा व्यक्त कर रहे हैं।

सर्वप्रथम, पंजाब की राजनीति के वयोवृद्ध नेता, 84 वर्षीय पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने 'द ट्रिब्यून' को बताया कि 2017 से 2022 तक मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से सीमा पार से ड्रोन के ज़रिए नशा स्मगलिंग का मुद्दा उठाया था; जब कान नहीं धरा तो उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि 'दिल्ली को पंजाब की समझ नहीं'। सिंह ने कहा कि भाजपा ने राज्य में नीति और राजनीति के मामलों पर उनसे कभी सलाह नहीं ली और पार्टी में शामिल होने से उन्हें कोई लाभ नहीं हुआ।

वरिष्ठ नेता की नाराज़गी के अलावा, बीते गुरुवार दिल्ली में युवाओं की 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) की प्रेस वार्ता में भी आक्रोश ऐसा ही था। पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग की। यह मांग 'इंडियन एक्सप्रेस' के खुलासे के बाद आई कि मुख्य चुनाव आयुक्त को चुनाव आयोग के सॉफ़्टवेयर के जरिए वोटरों के नाम हटाए जाने की जानकारी के बावजूद उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की। यहां प्रमुख सवाल राजनीतिक महत्वाकांक्षा की सीमाओं को लेकर है- और क्या उम्र का इससे लेना-देना होना चाहिए। क्या बीजेपी अमरिंदर द्वारा अपनी पार्टी की आलोचना और पंजाब में पार्टी को नुकसान पहुंचाने की उनकी क्षमता पर कोई ध्यान देना चाहेगी, वह भी काफी अहम विधानसभा चुनावों से पहले?

इतना ही महत्त्वपूर्ण यह कि क्या आप उस संगठन की मांगें अनदेखा कर सकते हैं जो कोई सियासी दल भी नहीं? खासकर तब, जब पिछली बार सीजेपी के प्रदर्शन पर सख़्ती की थी, तो शिक्षा मंत्री को हटाना पड़ा था? इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट आने के बाद उठे हंगामे के बीच खामोश संदेश पर विचार ज़रूरी है, हालांकि राजसत्ता अब खुद को संभाल रही है। मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे के लिए सीजेपी द्वारा 48 घंटे की मोहलत जैसे-जैसे पास आती गई, जंतर-मंतर पर फिर बैरिकेड्स लगा दिए। ज्ञानेश कुमार ने अपने दौरे रद्द कर दिए। न केवल विपक्ष, बल्कि चिराग पासवान और उपेंद्र

कुशवाहा जैसे भाजपा के सहयोगी भी अब दबाव डाल रहे हैं व मांग कर रहे हैं कि मुख्य चुनाव आयुक्त 'लोगों के मन में बनी गलत धारणाएं दूर करें'।

निस्संदेह, देश 'दो हिस्सों' में बंटा है। दिल्ली में जुलाई के विरोध-प्रदर्शन के बाद सीजेपी ने धीरे-धीरे दायरा बढ़ाया- आए दिन सीजेपी की सोशल मीडिया पर वीडियो दिखती हैं जो उनकी 'सस्कूल ठीक करो' मुहिम के तहत सरकारी स्कूलों की बदहाली बताती हैं; खुद दलित समुदाय से संबंधित अभिजीत दीपके की कोशिश है कि आईआईटी बॉम्बे में छात्र की मौत के बाद ध्यान जाति, वर्ग भेद पर चर्चा से परे मानसिक सेहत पर रहे। सीजेपी के बढ़ते प्रभाव ने मीडिया को अपना काम करने पर मजबूर किया- चाहे सत्ताधारी पार्टी से सवाल पूछना हो या विपक्ष से। सवाल उठता है कि सिवाय आम आदमी पार्टी के, जिसने पंजाब में अपने 'स्कूल ऑफ एमिनेंस' परियोजना पर काफ़ी मेहनत की है (भले ही नतीजे मिले-जुले रहे) किसी भी अन्य सियासी दल ने शिक्षा जैसे अहम मुद्दे पर ध्यान क्यों नहीं दिया? सिवाय उस वक्त,जब वे निजी विश्वविद्यालय स्थापित कराती हैं व सस्ती दरों पर संसाधन उनके हवाले करती हैं?

सीजेपी हमें आईना दिखा रहा है कि यह सब आपके आस-पास हो रहा था, आपने ध्यान नहीं दिया। सच तो यह कि हमने देखा था, लेकिन या तो ऐसी स्थितियां बनाने में हमारा योगदान भी रहा, या अत्यधिक निराशावादी बने रहे, या फिर परवाह नहीं रही। फिर भी, विधानसभा चुनाव निकट आने पर चुनाव आयोग के कामकाज में कथित गड़बड़ी का असर होकर रहेगा- पंजाब के अलावा उत्तर प्रदेश, मणिपुर, गोवा और उत्तराखंड में भी फरवरी में चुनाव हैं। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में गोवा की चर्चा है; कि 97 वोटरों के नाम स्थानीय चुनाव अधिकारियों की कोशिश के बावजूद वोटर लिस्ट में नहीं जुड़े।

आगे क्या हो सकता है, इसे लेकर दो किस्म की राय है। एक राय कांग्रेस नेता राहुल गांधी को श्रेय देती है; इसका तर्क है कि उनके चलाए 'वोट चोरी' अभियान ने कुछ सालों से मुद्दे को आगे बढ़ाया, और अगर चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर अविश्वास हो, तो इसका सर्वाधिक फ़ायदा उनकी पार्टी को ही होगा।

दूसरा नज़रिया भाजपा और आरएसएस में चल रही हलचल और इस बात का संकेतक है कि चुनाव आयोग के खुलासों का पार्टी के शीर्ष नेताओं की स्थिति पर क्या असर पड़ेगा। ज़ाहिर है, अगर चुनावी राज्यों में कहीं भी भाजपा की रफ़्तार को झटका लगा, तो असर उन लोगों की किस्मत पर पड़ेगा जो पार्टी में उच्चपदस्थ लोगों की आंख का तारा बनने में लगे हैं। दूसरे नज़रिए के मुताबिक, राहुल गांधी इंदौर जैसी कितनी भी रैलियां कर लें, लेकिन बदलाव भाजपा के अंदर से ही आएगा। ऐसा नहीं कि भाजपा ज़मीनी हलचल से खुद को अलहदा कर ले - मसलन, जुलाई में सीजेपी प्रदर्शन में निहत्थे छात्रों पर पैलेट गन चलाने का आदेश किसने दिया? जब भी इसका खुलासा होगा, तो ऐसी उथल-पुथल मचेगी जो पार्टी के शक्ति संरचना को हिला देगी।

फिलहाल पार्टी का शक्तितंत्र आत्मविश्वास से लबरेज़ लगता है। बीते विस चुनावों के दौरान, इसने 529 करोड़ रु. खर्च किए जो किसी भी दूसरी पार्टी से ज़्यादा था-अकेले पश्चिम बंगाल में ही 286.99 करोड़ रु. खर्च किए जबकि कांग्रेस ने 42.08 करोड़ खर्च किया। सवाल है कि क्या यह ताकत पार्टी नेतृत्व को समझ प्रदान करेगी कि वह पार्टी में उठने वाली असहमति की आवाज़ों-जैसे पंजाब के अमरिंदर सिंह की आवाज़- को सुनें, या फिर उन्हें भी 'मार्गदर्शक मंडल' में डाल दिया जाएगा। समस्या यह कि अब यह मंडल भी दुनिया की खोजी नज़र से बच नहीं पा रहा-यहां तक कि पूर्व उप-प्रधानमंत्री और राम मंदिर आंदोलन के सूत्रधार लालकृष्ण आडवाणी को चुनाव आयोग से पत्र मिला है, जिसमें उनसे 'विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान' के तहत अपनी पात्रता साबित करने को कहा गया है।

लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

छात्रावास की 200 छात्राओं को पुलिस ने बताया साइबर-ठगी से बचने का तरीका, दी सलाह

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छात्रावास में रहने वाली छात्राओं को साइबर ठग किस तरह अपना शिकार बनाते हैं और ठगी होने के बाद शुरुआती कुछ मिनट कितने अहम होते हैं, इसकी जानकारी देने के लिए स्मृतिनगर पुलिस ने विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

पोस्ट मैट्रिक स्नातकोत्तर अनुसूचित जनजाति कन्या छात्रावास और पोस्ट मैट्रिक अन्य पिछड़ा वर्ग कन्या छात्रावास में हुए कार्यक्रम में करीब

150 से 200 छात्राओं और स्टाफ को साइबर अपराध से बचाव के तरीके बताए गए। इस कार्यक्रम में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी वीरेंद्र सिंह और न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी रवि कुमार महोबिया भी शामिल हुए। उन्होंने छात्राओं को कानून की जानकारी रखने और किसी भी तरह की ऑनलाइन ठगी होने पर तुरंत शिकायत करने की सलाह दी। प्रशिक्षु उप निरीक्षक बसंत पटेल ने छात्राओं को अलग-अलग तरह की ठगी के तरीके उदाहरण के साथ समझाए।

एसआई बसंत पटेल ने बताया कि, साइबर ठग अब सिर्फ बैंक अधिकारी बनकर फोन नहीं करते, बल्कि नौकरी, कर्ज, इनाम, पहचान पत्र और बैंक खाता बंद होने जैसे कई बहाने बनाकर लोगों को फंसाते हैं। कई मामलों में ठग खुद को पुलिस अधिकारी बताकर गिरफ्तारी का डर दिखाते हैं। वीडियो कॉल पर पूछताछ और घर से बाहर नहीं निकलने की धमकी देकर पैसे मांगने के मामले भी सामने आ रहे हैं। छात्राओं को बताया गया कि, बैंक या कोई सरकारी विभाग फोन पर गोपनीय जानकारी, पिन या पासवर्ड मांगकर खाते की जांच नहीं करता। किसी अनजान व्यक्ति के कहने पर मोबाइल में कोई अनजान ऐप डाउनलोड करना या भेजे गए लिंक पर जाना भी नुकसान का कारण बन सकता है। पुलिस ने छात्राओं को समझाया कि ठगों के लिए सबसे बड़ी ताकत लोगों की जल्दबाजी और डर है। ठग अक्सर ऐसा माहौल बनाते हैं कि सामने वाला सोचने का समय ही न पाए। इसलिए कोई भी फोन आने पर पहले बात की सच्चाई जांचना जरूरी है। छात्राओं को साफ कहा गया कि अपना एक बार इस्तेमाल होने वाला बैंक कोड, बैंक खाते की जानकारी, कार्ड का गुप्त नंबर, मोबाइल बैंकिंग का गुप्त नंबर और पासवर्ड किसी के साथ साझा न करें।

प्रमुख खबरें...

दुर्ग बनेगा क्रिकेट का नया किला, आईपीएल के चौके-छक्के लगेंगे

दुर्ग। दुर्ग के क्रिकेट प्रेमियों को आने वाले दिनों में अपने अंतरराष्ट्रीय मैदान में फ्लडलाइट के बीच चौके-छक्कों की बौछार देखने को मिलेगी। शहर के रविशंकर शुक्ल स्टेडियम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तैयार किया जाएगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के लिए स्टेडियम का प्रस्तावित नक्शा तैयार हो चुका है। दुकानों और दफ्तरों को हटाने के बाद दिसंबर से काम शुरू होने की संभावना है। इससे पहले स्टेडियम के हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। आगे इसका थ्री-डी मैप भी तैयार किया जाएगा। इस पूरे प्रोजेक्ट को स्थानीय विधायक और स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव के प्रयासों से आगे बढ़ाया जा रहा है। योजना पूरी होने के बाद दुर्ग में सिर्फ स्थानीय और घरेलू क्रिकेट ही नहीं, बल्कि बड़े स्तर के मुकाबलों के लिए भी आधारभूत ढांचा तैयार हो सकेगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर के मैदान में सबसे महत्वपूर्ण ड्रेनेज सिस्टम होगा। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम की तर्ज पर तकनीक विकसित की जाएगी।

श्रमिक हितों में योगदान के लिए सांसद बघेल का सम्मान

भिलाई। सिविक सेंटर स्थित इंजीनियरिंग भवन में श्रमिक हित व अधिकारों के लिए किए गए प्रयासों को लेकर सांसद विजय बघेल का श्रमिकों ने सम्मान किया। समारोह में उन्हें गजमाला व गमछा पहनाकर स्वागत किया गया और स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एफएसएनएल कर्मचारी यूनियन व संबद्ध बीएसपी वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष उज्जवल दत्ता ने की। दत्ता ने कहा कि श्रमिकों की मांगों व समस्याओं को लेकर सांसद से लगातार संवाद हुआ, जिसके परिणामस्वरूप सेवानिवृत्ति आयु 58 से 60 वर्ष करने की दिशा में पहल, कुछ श्रमिकों को पुनः रोजगार, राजनांदगांव टोल से जुड़ी सीजी-7 वाहनों की दिक्कत और वेतन भुगतान जैसे मुद्दों पर सहयोग मिला। एनबी लालसन ने इसे सराहनीय बताया। सांसद बघेल ने कहा कि यह सम्मान श्रमिकों की मेहनत और एकजुटता का सम्मान है और वे समाधान के लिए प्रयास जारी रखेंगे।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मितानिनों का सम्मान

भिलाई। सेवा संकल्प अभियान के तहत सेक्टर कोहका के आंगनवाड़ी केंद्र कोहका-1 में आंगनवाड़ी मिलन सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना से हुई। मुख्य अतिथि स्वीटी कौशिक की उपस्थिति में महिला व बाल विकास विभाग के जिला अधिकारी अजय साहू ने महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण तथा नैतिक शिक्षा पर बात रखी। कौशिक ने आंगनवाड़ी की भूमिका बताते हुए कहा कि परिवार के संतुलित विकास में महिलाओं की जिम्मेदारी निर्णायक है। कार्यक्रम में रंगोली, मेहंदी, स्वस्थ शिशु और बच्चों की चित्रकला प्रतियोगिताएं हुईं, साथ ही पौष्टिक व्यंजनों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। विजेताओं को पुरस्कार दिए गए।

संगठन की मजबूती को लेकर भाजपा दुर्ग शहर विधानसभा की बैठक संपन्न

प्रत्येक कार्यकर्ता अपने दायित्व के अनुरूप भूमिका के निर्वहन के लिए तैयार रहे : जगन्नाथ पाणिग्रही

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भारतीय जनता पार्टी दुर्ग शहर विधानसभा की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक जिला भाजपा कार्यालय में जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में दुर्ग संभाग प्रभारी जगन्नाथ पाणिग्रही एवं कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान महापौर अलका बाघमार, जिला महामंत्री दिलीप साहू, विनोद अरोरा, सभापति श्याम शर्मा सहित अपेक्षित श्रेणी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बैठक में संगठन की मजबूती, आगामी संगठनात्मक गतिविधियों तथा कार्यकर्ताओं को सौंपे गए दायित्वों की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही संगठनात्मक कार्यों को अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश एवं सुझाव दिए गए। बूथ स्तर तक संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने और कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी चर्चा हुई।

दुर्ग संभाग प्रभारी जगन्नाथ पाणिग्रही ने अपेक्षित श्रेणी के पदाधिकारियों से उनके दायित्वों एवं अब तक किए गए

कार्यों की क्रमवार समीक्षा की। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती प्रत्येक कार्यकर्ता की सक्रियता और जिम्मेदारी के प्रभावी निर्वहन पर निर्भर करती है। प्रत्येक कार्यकर्ता अपने दायित्व के अनुरूप भूमिका निभाने के लिए तैयार रहे तथा संगठनात्मक कार्यों में निरंतरता और प्रभावशीलता लाए। उन्होंने आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि भाजपा का संगठन कार्यकर्ताओं की मेहनत और समर्पण से मजबूत हुआ है। प्रत्येक कार्यकर्ता बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने के लिए सक्रिय भूमिका निभाए। उन्होंने कहा कि संगठनात्मक गतिविधियों में नियमित सहभागिता और आपसी समन्वय से पार्टी के कार्यों को और गति मिलेगी।

जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता अपने-अपने दायित्वों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करें। संगठन की योजनाओं एवं कार्यक्रमों को बूथ स्तर तक प्रभावी रूप से पहुंचाने के लिए पदाधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत बनाने के लिए सक्रियता के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों, दायित्वों की समीक्षा तथा बूथ स्तर तक संगठनात्मक गतिविधियों को प्रभावी बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य उषा टावरी, चंद्रिका चंद्राकर, पदमा देवांगन, जिला उपाध्यक्ष शिवेंद्र परिहार, अशोक राठी, राजीव पांडेय, मंत्री गायत्री वर्मा, नवीन पवार, सह कोषाध्यक्ष नीलेश अग्रवाल, कार्यालय मंत्री आसिफ अली, मीडिया प्रभारी राजा महोबिया, सोशल मीडिया प्रभारी रजनीश श्रीवास्तव, आईटी सेल जिला संयोजक जितेंद्र सिंह राजपूत, कार्यालय प्रभारी मदन वढई, मंडल प्रभारी एवं झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक दिनेश देवांगन, विनायक नातू, मंडल अध्यक्ष कमलेश फेकर, कौशल साहू, हरीश चौहान, मनमोहन शर्मा, महिला मोर्चा प्रदेश मंत्री कुमुद बघेल, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अजय तिवारी, मंडल महामंत्री अमित पटेल, नवीन साहू, मनु साहू, मौसमी ताम्रकार, राकेश दुग्गड़, भूपेंद्र साहू, अनिल यादव, वीरेंद्र तन्ना, महेश देवांगन एवं एल्डरमैन कांतिलाल जैन सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मंत्री गजेन्द्र यादव ने कार्यकर्ताओं के साथ सुनी मन की बात का 138वां संस्करण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। केबिनेट मंत्री एवं दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 138वें संस्करण का प्रसारण सुने। इस दौरान नयापारा बघेरा स्थित वार्ड क्रमांक 56 की बूथ अध्यक्ष श्रीमती लोकेश्वरी पटेल के निवास पर क्षेत्र के कार्यकर्त्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने देशवासियों से संवाद करते हुए सर्जिकल स्ट्राइक के 10 वर्ष, आतंकवाद के विरुद्ध भारत के दृढ़ संकल्प, जनगणना में जनभागीदारी, स्वच्छता को जनआंदोलन बनाने तथा गांधी जयंती के अवसर पर स्वच्छता के संकल्प सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार साझा किए। मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का मन की बात कार्यक्रम देश के अलग-अलग क्षेत्रों में सकारात्मक कार्य कर रहे नागरिकों के प्रयासों को सामने लाने के साथ ही जनभागीदारी की भावना को मजबूत करता है। हर संस्करण के माध्यम से प्रधानमंत्री जी देशवासियों को राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करते हैं।

उन्होंने कहा कि स्वच्छता, जनभागीदारी और राष्ट्रहित से जुड़े विषयों पर प्रधानमंत्री जी का आह्वान समाज के प्रत्येक वर्ग को अपनी जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा देता है। मन की बात का यह संस्करण भी देश की सामूहिक शक्ति, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को सशक्त करने वाला प्रेरणादायी संवाद रहा। इस दौरान स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

हेमचंद यादव विश्वविद्यालयः शासकीय स्कूल के व्याख्याता दुर्गाप्रसाद साहू को जूलॉजी में पीएचडी की उपाधि

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग ने शासकीय हाई स्कूल मंगहूर (विकासखंड दुर्गूकोंदल, जिला उत्तर बस्तर कांकेर) में कार्यरत व्याख्याता दुर्गाप्रसाद साहू को लाइफ साइंस फैकल्टी के अंतर्गत जूलॉजी (प्राणिशास्त्र) विषय में 'डॉक्टर ऑफफिलॉसफी' (Ph.D.) की उपाधि के लिए पात्र घोषित किया है।

दुर्गाप्रसाद साहू ने अपना शोध कार्य "A Correlational Study Between Groundwater Heavy Metals of Rajnandgaon District and Related Human Health Problems" (राजनंदगांव जिले के भूजल में भारी धातुओं और संबंधित मानव स्वास्थ्य समस्याओं के बीच एक सह-संबंधात्मक अध्ययन) विषय पर पूरा किया है। उन्होंने यह शोध कार्य शासकीय वी.वाई.टी. स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग के प्राणिशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. दिव्या कुमुदिनी मिंज के मार्गदर्शन में शासकीय वी.वाई.टी. पीजी ऑटोनामस कॉलेज, दुर्ग स्थित शोध केंद्र से संपन्न किया।

परीक्षकों की सकारात्मक रिपोर्ट तथा मौखिक परीक्षा (Viva-Voce) के सफल समापन के बाद हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग द्वारा इस आशय की आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी गई है।

कोलिहापुरी में तीज मिलन समारोह में शामिल हुए मंत्री गजेन्द्र यादव समाजजनों के साथ साझा की तीज पर्व की खुशियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग विधानसभा के ग्राम कोलिहापुरी में कोसरिया यादव समाज सर्किल कोड़िया के तत्वावधान में आयोजित तीज मिलन समारोह में केबिनेट मंत्री एवं दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव शामिल हुए। उन्होंने समाजजनों के साथ तीज पर्व की खुशियां साझा कीं और सभी को तीज पर्व की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर मंत्री श्री यादव ने कहा कि तीजा केवल आनंद, उमंग और उत्सव का पर्व नहीं, बल्कि हमर छत्तीसगढ़ की समृद्ध विरासत, संस्कृति और पारंपरिक मूल्यों की पहचान है। तीज जैसे पारंपरिक आयोजन हमारी संस्कृति को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने के साथ ही समाज में आपसी प्रेम और एकजुटता को मजबूत करने का कार्य करते हैं।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपराएं हमारी सामाजिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ऐसे आयोजनों के माध्यम से हमारी बेटियां और नई पीढ़ी अपनी गौरवशाली परंपराओं से जुड़ती हैं। समाज की एकजुटता और सक्रिय सहभागिता सामाजिक विकास की मजबूत आधारशिला है।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने समाजजनों से संवाद किये और उनकी आवश्यकताओं एवं सुझावों की जानकारी लिए, कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित नारी शक्ति का अभिवादन कर छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा महिलाओ के शसक्तिकरण हेतु संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी देकर लाभान्वित होने अपील किये। उन्होंने समाज के विकास एवं सुविधाओं के विस्तार के लिए आवश्यक घोषणाएं भी कीं। इस दौरान समाज के पदाधिकारी, वरिष्ठजन, महिलाएं एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

आंगन मिलन' कार्यक्रम में शामिल हुईं केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं और मितानिनों का किया सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेवा संकल्प अभियान के तहत दुर्ग जिले के भिलाई स्थित आंगनबाड़ी केंद्र सेक्टर-7 में 'आंगन मिलन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर भी शामिल हुईं। इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, वरिष्ठ नागरिक सुरेंद्र कौशिक, पुरूषोत्तम देवांगन एवं महिला मोर्चा भिलाई की अध्यक्ष श्रीमती स्वीटी कौशिक उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिकाएं और आशा कार्यकर्ता प्रधानमंत्री के सेवा-संकल्प की भावना के अनुरूप समर्पण के साथ कार्य कर रही हैं। वे शासन की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के साथ गर्भवती महिलाओं, माताओं और बच्चों की देखभाल में महत्वपूर्ण भूमिका

निभाती हैं। कार्यकर्ताओं द्वारा महिलाओं और बच्चों को पोषण, खान-पान तथा टीकाकरण के संबंध में समय-समय पर आवश्यक जानकारी दी जाती है। उन्होंने कहा कि अच्छे कार्य के लिए मिलने वाला प्रोत्साहन कार्यकर्ताओं में और अधिक ऊर्जा के साथ काम करने की प्रेरणा देता है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को बच्चों के अभिभावकों के सहयोग की भी आवश्यकता होती है। अभिभावक अपने बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्र भेजने के साथ कार्यकर्ताओं द्वारा दी जाने वाली जानकारी और मार्गदर्शन में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता और समाज एक-दूसरे के पूरक हैं।

राज्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में पोषण माह के दौरान गर्भवती महिलाओं, किशोरियों तथा कम वजन एवं कुपोषित बच्चों के लिए पौष्टिक आहार के महत्व के संबंध में जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। महिलाओं का स्वास्थ्य बेहतर रहेगा, तभी परिवार सशक्त होगा। बच्चों को पर्याप्त पोषण और उचित देखभाल देकर उनके बेहतर भविष्य की नींव रखी जा सकती है। उन्होंने स्वच्छता को भी स्वस्थ जीवन का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए कहा कि घर-परिवार और आसपास के वातावरण में साफ-सफाई रखने से अनेक बीमारियों से बचाव किया जा सकता है। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि वे अपने आसपास की अन्य महिलाओं को भी पोषण, स्वच्छता और शासन की विभिन्न योजनाओं के प्रति जागरूक करें तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित करें।

राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि शासन की योजनाओं को सफल बनाने में जनता की सहभागिता महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी भूमिका निभानी होगी। उन्होंने उपस्थित लोगों से आंगनवाड़ी केंद्रों से निरंतर जुड़े रहने तथा कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, अधिकारियों और पर्यवेक्षकों का सहयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र केवल कार्यकर्ताओं के लिए नहीं, बल्कि महिलाओं और बच्चों के लिए हैं। अभिभावकों को समय-समय पर आंगनवाड़ी केंद्र पहुंचकर बच्चों की वृद्धि, पोषण और सीखने की प्रगति की जानकारी लेनी चाहिए तथा आवश्यकता होने पर कार्यकर्ताओं से मार्गदर्शन लेना चाहिए।

Since 1972

CROWN®-TV

Choice Of Millions

LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

सेवा संकल्प

वनांचल कोंटा में 40 गर्भवती महिलाओं की हुई सोनोग्राफी

कोंटा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जिला प्रशासन की पहल और इंडिजिनस डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन के तत्वावधान में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोंटा में एकदिवसीय स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। कलेक्टर अमित कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में चिंतागुफा, चिंतलनार, किस्टाराम, मारीगुड़ा और जगरगुंडा क्षेत्र की 40 गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य जांच की गई। महिलाओं को एंबुलेंस से कोंटा लाकर आवश्यक जांच, सोनोग्राफी और चिकित्सकीय परामर्श की निःशुल्क सुविधा दी गई तथा जांच के बाद भोजन कराकर उन्हें सुरक्षित घर पहुंचाया गया।

दानवीर भामाशाह सम्मान के लिए 30 तक करें आवेदन

महासमुंद। छत्तीसगढ़ शासन, समाज कल्याण विभाग द्वारा प्रतिवर्ष राज्योत्सव के अवसर पर दानशीलता, सौहार्द्र एवं समाजहित में अनुकरणीय सहायता प्रदान करने वाले उत्कृष्ट व्यक्ति अथवा संस्था को दानवीर भामाशाह सम्मान से सम्मानित किया जाता है। सम्मान के अंतर्गत चयनित व्यक्ति अथवा संस्था को एक लाख रुपये की सम्मान राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाने का प्रावधान है। जिले में दानशीलता, सामाजिक सहयोग तथा समाजहित के क्षेत्र में उल्लेखनीय एवं निरंतर कार्य करने वाले व्यक्ति अथवा संस्थाएं निर्धारित मापदंडों के अनुरूप अपनी प्रविष्टियां 30 सितंबर 2026 तक जिला समाज कल्याण कार्यालय, महासमुंद में उपलब्ध करा सकते हैं।

पीएम किसान सम्मान निधि से आसान हुई खेती-बाड़ी

कोरबा। कोरबा विकासखंड के ग्राम पंडरीपानी निवासी श्यामलाल पटेल लगभग तीन एकड़ कृषि भूमि पर खेती करते हैं। खेती के मौसम में खेत तैयार करने से लेकर फसल घर लाने तक कई तरह के खर्च सामने आते हैं। श्यामलाल बताते हैं कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना से जुड़ने से पहले इन खर्चों की व्यवस्था करना उनके लिए चुनौतीपूर्ण रहता था। जुताई, खाद-बीज की खरीदी, निंदाई तथा फसल में खाद और कीटनाशक के छिड़काव के लिए समय-समय पर रकम जुटानी पड़ती थी। पैसों की कमी होने पर कृषि कार्यों के लिए भी दूसरों से उधार मांगना पड़ता था। किसान निधि से अब ये काम आसान हो गए हैं।

कोरबा के मेडिकल कालेज में कैंसर मरीजों के लिए 16 बिस्तर

कोरबा। स्व. बिसाहू दास महंत स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के संबद्ध चिकित्सालय में वर्ष 2024 से कैंसर के मरीजों की पहचान और उपचार किया जा रहा है। वर्तमान में ओपीडी में प्रतिदिन लगभग आठ से दस मरीज चिकित्सकीय परामर्श और उपचार के लिए पहुँचते हैं। भर्ती मरीजों के उपचार के लिए जनवरी 2024 में पाँच बिस्तरों से वार्ड की शुरुआत की गई थी। मरीजों की आवश्यकता को देखते हुए जनवरी 2026 तक इसकी क्षमता बढ़ाकर 16 बिस्तर कर दी गई। चिकित्सालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, अब तक कुल 900 मरीजों को कीमोथेरेपी दी गई है। यहाँ ओरल और टारगेटेड कीमोथेरेपी की सुविधा के साथ कीमोथेरेपी से जुड़ी जटिलताओं के उपचार के लिए मरीजों को भर्ती भी किया जाता है।

लामकन्हार में मुख्यमंत्री से बच्चों ने पूछे बेबाक सवाल, साय ने संघर्ष से सत्ता तक का सुनाया सफर

श्रीकंचनपथ समाचार

कांकेर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' की 138वीं कड़ी में शामिल होने कांकेर जिले के ग्राम लामकन्हार पहुंचे मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने संवाद किया। बच्चों ने मुख्यमंत्री से उनके जीवन को लेकर सीधे सवाल पूछे। मुख्यमंत्री ने सहजता से बच्चों के सवालों का जवाब दिया और अपने जीवन के संघर्षों से लेकर मुख्यमंत्री बनने तक के सफर की कहानी साझा की।

कक्षा 12वीं के छात्र भानुप्रताप मरकाम ने पूछा कि उनके राजनीतिक जीवन की शुरुआत कैसे हुई? श्री साय ने बताया कि कम उम्र में ही पिता का साया सिर से उठ जाने के बाद परिवार की जिम्मेदारियां उनके कंधों पर आ गईं। उन्होंने कहा कि यही परिस्थितियां उन्हें समाज और लोगों के बीच काम

करने के लिए प्रेरित करती रहीं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि झारखंड और ओडिशा की सीमा पर स्थित गांव बगिया से उन्होंने अपने राजनीतिक सफर शुरू किया। पहली बार निर्विरोध पंच चुने गए। दूसरी बार सरपंच का चुनाव निर्विरोध जीता। वर्ष 1990 में पहली बार विधायक बने। 1999 में रायगढ़ लोकसभा क्षेत्र से चुनाव जीतकर संसद पहुंचे और लगातार चार बार सांसद रहे। 2014 में केंद्रीय राज्य मंत्री की जिम्मेदारी मिली। तीन बार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रहे। वर्ष 2023 में कुनकुरी से विधायक निर्वाचित होने के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री का पद संभाला। कक्षा 9वीं के छात्र ओज कुमार ने नक्सलवाद पर सवाल पूछा। श्री साय ने इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन को देते हुए कहा कि पुनर्वास नीति, ग्रामीणों तक सरकारी योजनाओं की पहुंच से यह संभव हुआ।

वृत्तचित्र 'राम-नामी' को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार इसमें झलकी लोक संस्कृति व पारंपरिक विरासत

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राम नामी समुदाय न केवल छत्तीसगढ़ की लोक परम्पराओं का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करते हैं बल्कि वे इस पुण्य भूमि के पौराणिक इतिहास को भी रेखांकित करते हैं। राम नामी समुदाय की इसी धरोहर पर जब वृत्त चित्र का निर्माण किया गया तो उसे राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार के साथ ही विशेष सराहना भी मिली।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल से रविवार को उनके नया रायपुर स्थित शासकीय निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक-सांस्कृतिक विरासत और अनूठी आस्था के प्रतीक रामनामी समुदाय के सदस्यों ने आत्मीय भेंट की।

इस अवसर पर मंत्री श्री अग्रवाल ने रामनामी समुदाय की आस्था, परंपरा, जीवनशैली और सांस्कृतिक विरासत पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'राम-नामी' को 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री का प्रतिष्ठित सम्मान मिलने पर समुदाय के सभी सदस्यों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि रामनामी समुदाय छत्तीसगढ़ की विशिष्ट लोक-सांस्कृतिक पहचान और आध्यात्मिक परंपराओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है। समुदाय की आस्था, परंपराएं और जीवनशैली हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को पीढ़ी-दर-पीढ़ी जीवंत बनाए रखने का कार्य करती हैं। 'राम-नामी' डॉक्यूमेंट्री को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिलना पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का विषय है।

उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म की उपलब्धि नहीं है, बल्कि छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, आध्यात्मिक परंपराओं और रामनामी समाज की जीवंत विरासत का राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान है। इस फिल्म के माध्यम से रामनामी समाज की विशिष्ट पहचान, उनकी आस्था और सांस्कृतिक जीवन को देशभर में पहचान मिली है।

मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता इसकी विविधता, जीवंतता और जनजीवन से गहरा जुड़ाव है। यहां की लोक परंपराएं, जनजातीय एवं लोक कलाएं, आस्था से जुड़ी परंपराएं और समुदायों की विशिष्ट जीवनशैली प्रदेश की सांस्कृतिक समृद्धि को दर्शाती हैं। रामनामी समाज की परंपराएं इसी सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार छत्तीसगढ़ की लोक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, संवर्धन और उसे देश-दुनिया तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। स्थानीय परंपराओं, लोक कलाओं और सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी से जोड़ना तथा उन्हें व्यापक मंच उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकताओं में शामिल है।

मंत्री श्री अग्रवाल ने रामनामी समुदाय के सदस्यों से बातचीत के दौरान उनकी परंपराओं, सांस्कृतिक गतिविधियों और समाज की विशिष्ट पहचान से जुड़े विभिन्न विषयों की जानकारी भी ली। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने में समाज और समुदायों की सक्रिय भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

इस अवसर पर रामनामी समुदाय के सदस्यों ने डॉक्यूमेंट्री 'राम-नामी' को मिले राष्ट्रीय सम्मान के लिए प्रसन्नता व्यक्त की और मंत्री श्री राजेश अग्रवाल के प्रति आभार जताया। मुलाकात के दौरान छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, परंपराओं और विरासत को आगे बढ़ाने से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी चर्चा हुई।

बस्तर में बाढ़ से बिगड़ी हालात

वन मंत्री कश्यप ने नारायणपाल और घोटिया में लिया हालात का जायजा

श्रीकंचनपथ समाचार

जगदलपुर। वन मंत्री केदार कश्यप ने बस्तर के बाढ़ प्रभावित घोटिया और नारायणपाल क्षेत्रों का दौरा कर स्थिति का मौके पर जायजा लिया। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी ली और अधिकारियों को नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मंत्री श्री कश्यप ने अधिकारियों से कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्यों में किसी भी स्तर पर कमी नहीं होनी चाहिए। प्रभावित लोगों की आवश्यकताओं का विशेष ध्यान रखते हुए उन्हें समय पर हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाए।

मंत्री श्री कश्यप ने जगदलपुर टाउन हॉल में बनाए गए राहत शिविर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने शिविर में रह रहे बाढ़ प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और उनकी आवश्यकताओं के संबंध में चर्चा की। उन्होंने शिविर में नाश्ता, भोजन, पेयजल और आवश्यक दवाइयों सहित उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली।

वन मंत्री श्री कश्यप ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राहत शिविर में रह रहे परिवारों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। भोजन, पेयजल, स्वास्थ्य सुविधा सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुचारु रूप से संचालित होती रहें और प्रभावित परिवारों की जरूरतों के अनुसार तत्काल सुविधाएं मुहैय्या कराई जाएं।

वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संकट की इस घड़ी में बाढ़ प्रभावित परिवारों के साथ खड़े रहना और प्रभावित लोगों की सुरक्षा और उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पहाड़ी कोरवा बसाहटों तक पहुंच रही स्वास्थ्य सेवाएं, घर के नजदीक मिल रही उपचार सुविधा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। दुर्गम और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले पहाड़ी कोरवा परिवारों को स्वास्थ्य सेवाओं के लिए लंबी दूरी तय न करनी पड़े, इसके लिए स्वास्थ्य सुविधाएं अब उनकी बसाहटों तक पहुंच रही हैं। पीएम जनमन कार्यक्रम के तहत सरगुजा जिले में संचालित सात मोबाइल मेडिकल यूनिट पहाड़ी कोरवा बसाहटों में शिविर लगाकर चिकित्सीय जांच, लैब जांच, उपचार और आवश्यक दवाइयों की सुविधा उपलब्ध करा रही हैं। जरूरत पड़ने पर मरीजों को उच्च स्वास्थ्य संस्थानों में उपचार के लिए रेफर करने का समन्वय भी किया जा रहा है।

पीएम जनमन कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में सात मोबाइल मेडिकल यूनिट संचालित की जा रही हैं। ये यूनिट निर्धारित क्षेत्रों में पहुंचकर पहाड़ी कोरवा समुदाय के लोगों के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर रही हैं।

प्रत्येक मोबाइल मेडिकल यूनिट के दल में चिकित्सक, स्टाफनर्स, लैब तकनीशियन और ड्राइवर शामिल रहते हैं। स्वास्थ्य टीम शिविर में आने वाले लोगों की जांच कर आवश्यकता के अनुसार उपचार और स्वास्थ्य संबंधी परामर्श उपलब्ध कराती है।

मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से मरीजों की चिकित्सीय जांच के साथ आवश्यक लैब जांच भी की जा रही है। जांच के आधार पर जरूरी दवाइयों का वितरण किया जाता है। इससे दूरस्थ पहाड़ी कोरवा बसाहटों के लोगों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए लंबी दूरी तय करने की आवश्यकता कम हो रही है।

स्वास्थ्य टीम मरीजों की काउंसलिंग भी करती है। जिन मरीजों को आगे की जांच अथवा उच्च स्वास्थ्य संस्था में उपचार की जरूरत होती है, उनके रेफरल के लिए आवश्यक समन्वय किया जाता है। इस तरह मोबाइल मेडिकल यूनिट प्राथमिक जांच और उपचार के साथ जरूरतमंद मरीजों को आगे की स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने की महत्वपूर्ण कड़ी बन रही हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन में पीएम जनमन के माध्यम से विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों तक बुनियादी सुविधाओं की पहुंच बढ़ाई जा रही है। सेवा संकल्प अभियान के तहत मोबाइल मेडिकल यूनिट की यह 'सेवा की कहानी' बताती है कि दूरस्थ पहाड़ी कोरवा बसाहटों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाकर लोगों को उनके नजदीक ही जांच, उपचार और दवाइयां उपलब्ध कराई जा रही है।

बाढ़ : सुकमा के हालात पर सीएम की सीधी नजर, किसी चीज की न हो कमी

श्रीकंचनपथ समाचार

सुकमा। विगत कई दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश और जलभराव की गंभीर चुनौती के बीच सुकमा जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय और अलर्ट मोड पर है। प्राकृतिक आपदा की इस घड़ी में प्रशासनिक अमले और पुलिस विभाग की त्वरित मैदानी कार्रवाई ने संवेदनशीलता और कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल पेश की है। अधिकारी लगातार प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर कमान संभाले हुए हैं।

प्रदेश के संवेदनशील मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जिले की स्थिति का संज्ञान लेते हुए कलेक्टर अमित कुमार से दूरभाष पर विस्तृत चर्चा की। कलेक्टर अमित कुमार ने मुख्यमंत्री को जिले की भौगोलिक परिस्थितियों, जलभराव और बचाव कार्यों से अवगत कराया। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रभावित ग्रामीणों की सुरक्षा, भोजन और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राहत शिविरों में सभी प्रबंध चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए।

सुकमा-कोंटा राष्ट्रीय राजमार्ग पर आवागमन बाधित होते ही कलेक्टर के नेतृत्व में प्रशासन ने बिना समय गंवाए युद्धस्तर पर राहत अभियान शुरू किया। जिले भर में 1400 से अधिक जरूरतमंदों के लिए सुरक्षित राहत शिविर स्थापित किए गए। कोंटा विकासखंड सामुदायिक भवन कोंटा में लगभग 550, आसिरगुड़ा में 220 और बालक आश्रम एर्राबोर में 60 नागरिकों के सुरक्षित ठहरने का प्रबंध किया गया।

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जनपद शाला, शासकीय पीजी कॉलेज और पुसामीपारा में 600 से अधिक प्रभावितों को आश्रय दिया गया। इन शिविरों में स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष मेडिकल कैंप लगाकर सभी नागरिकों की नियमित स्वास्थ्य जांच और दवाइयों का वितरण सुनिश्चित किया जा रहा है।

आपदा प्रबंधन को गति देते हुए जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने कंधे से कंधा मिलाकर काम किया। नगरपालिका अध्यक्ष हूंगाराम मरकाम और वरिष्ठ जनप्रतिनिधि धनीराम बरसे ने पावारास, राजवाड़ा, पुसामीपारा और शबरीनगर जैसे संवेदनशील इलाकों का दौरा किया।

एशियन गेम्स में तिरंगा लहराने वाले युवाओं को दी बधाई एवं शुभकामनाएं

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने एशियन गेम्स 2026 की महिला 200 मीटर स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर भारतीय एथलीट हरिता भद्रा को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह एवं अभय सिंह को उनकी उपलब्धियों पर बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी हैं।

श्री चौधरी ने कहा कि तिरंगे में लिपटी हरिता भद्रा की यह उपलब्धि प्रत्येक भारतीय को गौरवान्वित करने वाला क्षण है। उन्होंने अपनी शानदार रफ्तार, कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प के दम पर एशियन गेम्स के प्रतिष्ठित मंच पर भारत का मान बढ़ाया है।

उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर पदक हासिल करना हरिता की प्रतिभा, अनुशासन और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। उनकी यह सफलता देश की युवा खेल प्रतिभाओं, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणादायी है। श्री चौधरी ने हरिता के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए और बड़ी सफलताएं हासिल करने के लिए शुभकामनाएं दीं।

इसी तरह एशियन गेम्स 2026 की महिला एकल स्क्वैश स्पर्धा में रजत पदक जीतने पर युवा भारतीय खिलाड़ी अनाहत सिंह को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

श्री चौधरी ने कहा कि अनाहत की यह उपलब्धि भारतीय स्क्वैश और पूरे देश के लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और शानदार खेल से एशियन गेम्स के प्रतिष्ठित मंच पर तिरंगे का मान बढ़ाया है।

उन्होंने कहा कि कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय मंच पर इस स्तर की उपलब्धि हासिल करना अनाहत की कड़ी मेहनत, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण को दर्शाता है। उनकी सफलता देश की युवा खेल प्रतिभाओं, विशेषकर बेटियों को बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने के लिए प्रेरित करेगी।

वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने एशियन गेम्स 2026 की पुरुष एकल स्क्वैश स्पर्धा में रजत पदक जीतने पर भारतीय खिलाड़ी अभय सिंह को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

श्री चौधरी ने कहा कि अभय सिंह ने अपने शानदार खेल, कौशल और दृढ़ संकल्प से अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का गौरव बढ़ाया है। एशियन गेम्स जैसे प्रतिष्ठित मंच पर रजत पदक हासिल करना उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास का परिणाम है।

उन्होंने कहा कि अभय सिंह की यह उपलब्धि देश के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायी है और भारतीय स्क्वैश की बढ़ती ताकत को प्रदर्शित करती है।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने अभय सिंह के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आगामी प्रतियोगिताओं में और बड़ी उपलब्धियां हासिल करने के लिए शुभकामनाएं दीं।

उल्लास महापरीक्षा में सुकमा के नवसाक्षरों ने दिखाया उत्साह

सुकमा। रविवार को सुकमा जिले में उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान महापरीक्षा का ऐतिहासिक आयोजन किया गया। कलेक्टर एवं कार्यकारिणी अध्यक्ष, जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण अमित कुमार के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में आयोजित इस महापरीक्षा में जिलेभर के नवसाक्षरों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। परीक्षा के लिए कुल 300 केंद्र बनाए गए थे। संकुल समन्वयकों के माध्यम से सभी केंद्रों तक प्रश्न पत्र समय पर पहुंचाए गए, जबकि परीक्षा के सफल संचालन में ग्राम प्रभारी शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण रही। जिला पुनर्वास केंद्र के 133 पुनर्वासित परीक्षार्थियों तथा जिला जेल में निरुद्ध 57 शिक्षार्थियों ने उत्साह के साथ परीक्षा दी।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

लस्ट स्टोरीज 3 के पिता-बेटी वाले सीन ने छू लिया अदिति राव हैदरी का दिल

बोलीं- यह मेरे लिए बहुत भावुक था

अदिति राव हैदरी इन दिनों हाल ही में रिलीज हुई लस्ट स्टोरीज़ 3 को मिल रहे प्यार और सराहना का आनंद ले रही हैं। फिल्म में अभिनेत्री ने अपने समय से काफी आगे का किरदार निभाया है। सायरा के किरदार में अदिति न सिर्फ वासना, चाहत और महिला सुख की भावनाओं को बखूबी पर्दे पर उतारती हैं, बल्कि पिता और बेटी के रिश्ते की खूबसूरती को भी भावनात्मक रूप से दर्शाती हैं।

अभिनेत्री ने अपने वास्तविक जीवन की एक याद को साझा करते हुए बताया कि गजराज राव के साथ इस रिश्ते को पर्दे पर निभाना उनके लिए बेहद निजी और भावुक अनुभव था। फिल्म में गजराज राव उनके ऑन-स्क्रीन ससुर के किरदार में नजर आते हैं। वह बताती हैं, जो कुछ कागज पर लिखा गया था, वह बहुत खूबसूरत था। लेकिन जाहिर तौर पर जब निर्देशक अपनी समझ और नजरिए को उसमें जोड़ते हैं और आपके सामने गजराज राव जैसे अभिनेता होते हैं, तो मेरे लिए यह रिश्ता बहुत ही कोमल और भावुक बन गया। कहानी में जो चीज मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित करती है, वह उस परिवार की प्रगतिशील सोच थी, जहां ससुर इस लड़की के साथ खड़े होते हैं और उसके सहयोगी बनते हैं। क्योंकि हर कोई कहता है, 'ये तो हमारे घर की बच्ची है, ये तो हमारी बेटी है।' लेकिन 1987 के दौर में एक लड़की का अपने ससुर में एक ऐसे व्यक्ति को पाना, जिसके साथ वह अपने मन की बात साझा कर सके, मुझे लगता है कि यह वाकई बहुत खूबसूरत है। जैसा कि मैं हमेशा कहती हूं, कल ही यह बात मेरे मन में आई कि यह लगभग एक आदर्श प्रेम कहानी जैसी है, जहां इच्छाएं अधूरी हैं, लेकिन वे सभी बहुत सारे प्यार के साथ अधूरी हैं।

वह आगे कहती हैं, एक लड़की का अपनी कला के जरिए अपना साहस तलाश पाना, मुझे यह भी बेहद अद्भुत लगता है। पति और ससुर, दोनों का इस सफर में उसका साथ देना बहुत खूबसूरत है, चाहे वह नृत्य हो, संगीत हो, लेखन हो, कविता हो या साहित्य। लड़कियों के लिए और हम सभी के लिए यही हमारी आवाज है।

यह हमें अपने होने का एक ऐसा एहसास देता है, जो पूरी तरह हमारा है। मुझे जिंदगी में यह बात हमेशा बहुत खूबसूरत लगती है। इसलिए मुझे वह सीन बहुत पसंद आया, क्योंकि उसमें बहुत कोमलता थी। मेरे पिता का निधन उस समय हुआ जब उन्हें अभी और जीना चाहिए था। वह बीमार थे। इसलिए मेरे लिए माता-पिता और बच्चे के बीच का कोई भी सीन बहुत... बहुत ज्यादा मायने रखता है। वह मेरे लिए बेहद भावुक था। वह बहुत खूबसूरत था। इस बार अदिति राव हैदरी ने वासना, चाहत और महिला सुख की पूरी भावनात्मक दुनिया को छूते हुए महिला होने की एक सटीक तस्वीर पेश की है। सायरा के किरदार और अदिति के बीच एक साफ जुड़ाव नजर आता है और यही कनेक्शन इस किरदार को और भी प्रभावशाली बनाता है।

संदीप किशन के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी फारिया अब्दुल्ला, सिग्मा में दिखेगी नई केमिस्ट्री

अभिनेत्री फारिया अब्दुल्ला एक्शन, एडवेंचर, क्राइम, कॉमेडी ड्रामा फिल्म सिग्मा में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने बताया कि वे फिल्म एक रेडियो जॉकी का किरदार निभा रही हैं। अभिनेत्री ने कहा, सिग्मा मेरी पहली तमिल एक्शन-एडवेंचर हाइस्ट कॉमेडी एंटरटेनर फिल्म है। इस फिल्म में मेरा किरदार एक रेडियो जॉकी का है।

जेसन संजय द्वारा निर्देशित फिल्म में अभिनेत्री संदीप किशन और फारिया अब्दुल्ला लीड रोल में हैं। संदीप किशन के साथ अपनी केमिस्ट्री पर अभिनेत्री ने कहा, मैं संदीप को पहले से जानती हूं। हम दोनों हमेशा से साथ में एक फिल्म करना चाहते थे। आखिरकार हम सिग्मा के लिए मान गए। इस फिल्म में हमारे किरदारों में काफी नयापन है। फारिया ने बताया कि जेसन संजय ने उन्हें सिग्मा की कहानी जूम कॉल पर सुनाई थी। उन्होंने कहा, पूरी कहानी सुनने के बाद मैंने उनसे पूछा कि उनकी उम्र कितनी है। उन्होंने कहा कि वो 24 साल के हैं, सुनकर मुझे ये बहुत इंस्पायरिंग लगा। वो बहुत विनम्र हैं और सबके साथ अच्छे से घुल-मिल जाते हैं। डायरेक्शन पर उनकी अच्छी पकड़ है। भले ही ये उनकी पहली फिल्म है, लेकिन उन्होंने इसे बहुत क्लियर विजन के साथ बनाया है। सेट को हैंडल करने का उनका तरीका बहुत कूल है।

एक्शन-एडवेंचर और हाइस्ट कॉमेडी फिल्म सिग्मा को लाइका प्रोडक्शंस के बैनर तले सुबास्करन ने प्रोड्यूस किया है। संदीप किशन और फारिया अब्दुल्ला के अलावा फिल्म में राजू सुंदरम, संपत राज, शिव पंडित, अंबु थासन और योग जापी भी अहम किरदारों में हैं।

कोस्टल आंध्र और तेलंगाना में फिल्म की रिलीज मैत्री मूवी डिस्ट्रीब्यूटर्स लिमिटेड संभाल रही है, जबकि सीडेड एरिया में एनवीआर सिनेमा इसे डिस्ट्रीब्यूट करेगी।

टेक्निकल टीम की बात करें तो फिल्म में कृष्णन वसंत की सिनेमेटोग्राफी है, जिनके विजुअल्स ट्रेलर में काफी स्टाइलिश और मॉडर्न लग रहे हैं। फिल्म में म्यूजिक इंडस्ट्री के बेस्ट म्यूजिक डायरेक्टर्स में से एक एस थमन का है। यह फिल्म तमिल, तेलुगु, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

राजकुमार राव ने दशहरा पर जमाया कब्जा रफ्तार से करने आएंगे बड़ा धमाका

राजकुमार राव और कीर्ति सुरेश की फिल्म रफ्तार लंबे समय से लोगों का ध्यान खींचती आई है। यह अभिनेता के लिए खास है, क्योंकि इसका निर्माण उनकी पत्नी पत्रलेखा ने कम्पा फिल्म्स के बैनर तले किया है। निर्देशन की कमान आदित्य निम्बालकर ने संभाली है, जिन्हें सेक्टर 36 (2024) के लिए जाना जाता है।

कहानी और पटकथा का काम रोहन नरूला ने किया है। ताजा अपडेट है कि फिल्म की रिलीज तारीख आधिकारिक तौर पर तय हो गई है।

रफ्तार की रिलीज तारीख का ऐलान करते हुए राजकुमार ने एक भावनात्मक पोस्ट साझा किया। उन्होंने लिखा, कहते हैं कि सपने को साकार करने में वक्त लगता है, लेकिन उसे जीने के लिए और ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। रफ्तार हमारे लिए सिर्फ फिल्म नहीं, यह रंगमंच की दुनिया में हमारा पहला कदम है। हमारी ताकत बनने के लिए धन्यवाद। हम मंजिल के बहुत करीब हैं। उन्होंने ऐलान किया कि फिल्म 16 अक्टूबर को दशहरा के मौके पर रिलीज होगी।

रफ्तार भारत में तेजी से बढ़ते एड-टेक सेक्टर की पृष्ठभूमि पर आधारित फिल्म है। यह एक स्टार्टअप के उदय और उसके मुख्य पात्रों की तीव्र महत्वाकांक्षाओं को पर्दे पर दिखाएगी। फिल्म की कहानी एक दृढ़ निश्चयी पुरुष और एक महत्वाकांक्षी महिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जो सफलता, लालच, शक्ति और रिश्ते के बीच नैतिक संतुलन बनाने की कोशिश करते हैं। इसमें अनुराग ठाकुर, रोहन वर्मा, तान्या मानिकतला और रजत कपूर भी अहम किरदारों के साथ शामिल हैं।

क्या है डांस मेडिटेशन? इसे दिनचर्या का हिस्सा बनाने से मिलते हैं कई लाभ

डांस मेडिटेशन एक अनोखी विधि है, जिसमें नाचते हुए ध्यान लगाया जाता है। यह एक प्रकार का ध्यान है, जिसमें आप अपने शरीर को स्वतंत्र रूप से हिलाते-डुलाते हैं और अपने मन को शांत करते हैं। इस विधि का उद्देश्य मानसिक तनाव को कम करना और आत्मविश्वास बढ़ाना है। डांस मेडिटेशन से आप न केवल शारीरिक रूप से मजबूत बनते हैं, बल्कि मानसिक रूप से भी संतुलित रहते हैं। आइए इसके फायदे और तकनीक के बारे में जानें।

डांस मेडिटेशन के फायदे

डांस मेडिटेशन कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। यह तनाव को कम करने में मदद करता है और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है। इसके अलावा यह आत्मविश्वास बढ़ाने और आत्म-अनुशासन सिखाता है। डांस मेडिटेशन से आप अपने शरीर को सक्रिय रखते हुए फिट और स्वस्थ रह सकते हैं। यह विधि न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक रूप से भी आपको मजबूत बना सकती है और जीवन में सकारात्मकता लाती है।

ऐसे करें डांस मेडिटेशन

डांस मेडिटेशन करने के लिए सबसे पहले एक शांत जगह चुनें, जहां आप बिना किसी रुकावट के नाच सकें। हल्का संगीत लगाएं और अपनी पसंदीदा धुन पर नाचें। ध्यान रखें कि यहां कोई सही या गलत तरीका नहीं होता, बस अपने मन की सुने और खुलकर नाचें। शुरूआत में कुछ सरल मूव्स आजमाएं, फिर धीरे-धीरे अपने स्टाइल में बदलाव करें। इस दौरान गहरी सांस लें और अपने शरीर को पूरी तरह से ढीला छोड़ दें।

संगीत का चयन कैसे करें?

संगीत का चयन डांस मेडिटेशन का अहम हिस्सा है। ऐसा संगीत चुनें, जो आपको खुशी दे और आपकी ऊर्जा बढ़ाए। तेज धुन या धीमी धुन, जो भी आपको पसंद हो, उसे सुनें और उसी पर नाचें। अगर आप शास्त्रीय संगीत पसंद करते हैं तो वह भी अच्छा रहेगा। इसके अलावा लोक संगीत या कोई भी ऐसा गाना, जो आपके मन को प्रसन्न करे, उसे सुनें और नाचें। इससे आपका मन खुश रहेगा और आप बेहतर महसूस करेंगे।

ध्यान केंद्रित करने के तरीके

डांस करते समय ध्यान केंद्रित करना जरूरी है, ताकि आपका मन शांत रहे। इसके लिए आप गहरी सांस लें और अपने शरीर को पूरी तरह से ढीला छोड़ दें। सोचने के बजाय बस महसूस करें कि आपका शरीर कैसे हिल रहा है, इससे आपका मन शांत रहेगा और आप पूरी तरह से डांस में डूब जाएंगे। इसके अलावा आप अपने शरीर की हर हरकत को महसूस करें और उसे पूरी तरह से जीएं।

नियमित अभ्यास का महत्व

डांस मेडिटेशन का नियमित अभ्यास बहुत जरूरी है, ताकि इसके सभी फायदे मिल सकें। रोजाना कम से कम 20-30 मिनट तक डांस करने की कोशिश करें। इससे आपकी मानसिक स्थिति सुधरेगी, आत्मविश्वास बढ़ेगा और आप खुद को अधिक सकारात्मक महसूस करेंगे।

नियमित अभ्यास से आप अपने जीवन में संतुलन बनाए रख सकेंगे और तनाव मुक्त रहेंगे। इस प्रकार डांस मेडिटेशन एक बेहतरीन तरीका है, जिससे आप अपने जीवन को खुशहाल बना सकते हैं।

स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है कोई धुन गुनगुनाना, जानिए इससे मिलने वाले लाभ

कोई धुन गुनगुनाना एक सरल और आरामदायक गतिविधि है, जो हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर अच्छा असर डाल सकती है। यह न केवल तनाव को कम करता है, बल्कि हमारे मूड को भी बेहतर बनाता है। गुनगुनाने से शरीर में खुश करने वाले हार्मोन का स्तर बढ़ता है, जो हमें खुश और संतुलित महसूस कराता है। इसके अलावा यह हमारी सांसों को भी नियंत्रित करता है। आइए जानते हैं कि कैसे गुनगुनाने से कई फायदे मिल सकते हैं।

तनाव को कम करने में मददगार

गुनगुनाना एक बहुत अच्छा तरीका है, जिससे हम अपने तनाव को कम कर सकते हैं। जब हम गुनगुनाते हैं तो हमारे दिमाग में खुशी देने वाले हार्मोन का स्तर बढ़ता है, जो हमें खुश और संतुलित महसूस कराता है।

इस प्रक्रिया में हमारी सांसें भी नियंत्रित होती हैं, जिससे हमें शांति मिलती है। गुनगुनाने से न केवल हमारा मूड बेहतर होता है, बल्कि यह हमारे मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होता है और हमें ताजगी का अनुभव कराता है।

मनोदशा को बनाता है बेहतर

गुनगुनाने से हमारी मनोदशा भी बेहतर होती है। जब हम गुनगुनाते हैं तो हमारे दिमाग में खुशियों का एहसास होता है, जिससे हमारी ऊर्जा सकारात्मक रहती है।

यह आदत हमें नकारात्मक विचारों से दूर रखती है और आत्मविश्वास बढ़ाती है। इसके अलावा गुनगुनाना एक सरल और आरामदायक गतिविधि है, जिसे हम कहीं भी कर सकते हैं।

इससे हमारा मूड और मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है और हम अधिक खुश और संतुलित महसूस करते हैं।

सांसों को करता है नियंत्रित

गुनगुनाना हमारी सांसों को नियंत्रित करने में भी मदद करता है। जब हम गुनगुनाते हैं तो हमारी सांसें गहरी और स्थिर होती हैं, जिससे फेफड़ों को अधिक ऑक्सीजन मिलता है। यह प्रक्रिया हमारे शरीर को ऊर्जा देती है और ताजगी का अनुभव कराती है। इसके अलावा गुनगुनाने से तनाव कम होता है और मन शांत होता है। इस तरह गुनगुनाना एक सरल और प्रभावी तरीका है, जिससे हम अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बना सकते हैं।

नींद में लाता है सुधार

गुनगुनाना नींद में सुधार लाने में भी सहायक है। सोने से पहले कुछ मिनट गुनगुनाने से हमारा मन शांत होता है और नींद जल्दी आती है।

यह आदत हमें अच्छी नींद दिलाती है। इसके अलावा गुनगुनाना एक आरामदायक गतिविधि है, जिसे हम आसानी से अपनी दिनचर्या में शामिल कर सकते हैं। इससे हमारी नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है और हम सुबह ताजगी महसूस करते हैं। गुनगुनाना एक सरल और प्रभावी तरीका है, जिससे हम स्वस्थ रह सकते हैं।

बढ़ाता है आत्मविश्वास

गुनगुनाना आत्मविश्वास बढ़ाने में भी अहम भूमिका निभाता है। जब हम नियमित रूप से गुनगुनाते हैं तो हमारे अंदर सकारात्मक सोच बढ़ती है, जिससे हमारा आत्मविश्वास मजबूत होता है। इस प्रक्रिया में हमारी सोच सकारात्मक रहती है और हम खुद पर भरोसा करना सीखते हैं। इस तरह गुनगुनाना न केवल हमारे मानसिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है, बल्कि यह हमारी आत्मछवि को भी सुधारता है और हमें अधिक आत्मविश्वास से भरा महसूस कराता है।

'गजा' का रोमांचक टीजर जारी, सतीश जय और फर्नाज शेट्टी की जोड़ी ने खींचा ध्यान

अभिनेता सतीश जय और फर्नाज शेट्टी की मुख्य भूमिकाओं वाली आगामी फिल्म 'गजा' को लेकर दर्शकों की दिलचस्पी बढ़ने लगी है। सतीश जय के निर्देशन में बनी इस फिल्म का टीजर बुधवार को जारी किया गया। 'रॉकिंग स्टार' मांचू मनोज ने टीजर जारी करते हुए फिल्म की पूरी टीम को शुभकामनाएं दीं।

फिल्म का टीजर शुरुआत में ही दर्शकों का ध्यान खींचता है। इसकी शुरुआत भगवद्गीता के एक श्लोक से होती है। इसके बाद कहानी में रहस्य, रोमांच और भावनात्मक दृश्यों की झलक देखने को मिलती है। टीजर में कई ऐसे दृश्य रखे गए हैं, जो फिल्म की कहानी को लेकर उत्सुकता पैदा करते हैं।

टीजर में सतीश जय और फर्नाज शेट्टी के किरदारों के बीच भावनात्मक जुड़ाव और रोमांस को प्रमुखता से दिखाया गया है। दोनों कलाकारों की जोड़ी और उनके बीच की सहजता कहानी के भावनात्मक पक्ष को मजबूत करती नजर आती है। टीजर में दोनों के अभिनय की भी झलक देखने को मिलती है।

फिल्म की कहानी में रोमांस के साथ रहस्य और रोमांच का मेल दिखाई देता है। टीजर में घटनाक्रम को इस तरह प्रस्तुत किया गया है कि दर्शकों के मन में फिल्म की आगे की कहानी को लेकर सवाल बने रहें।

फिल्म के दृश्यों को प्रभावशाली बनाने में संगीतकार मणि शर्मा के संगीत की अहम भूमिका नजर आती है। टीजर में इस्तेमाल किया गया संगीत रोमांच और भावनात्मक दृश्यों के प्रभाव को बढ़ाता है। वहीं जगदीश की छायांकन कला ने फिल्म के दृश्य पक्ष को आकर्षक बनाने में योगदान दिया है।

'गजा' के टीजर का भव्य प्रदर्शन एएए सिनेमाज में आयोजित किया गया। इस मौके पर फिल्म से जुड़े कलाकारों और निर्माताओं की मौजूदगी रही। टीजर जारी होने के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ गई है।

खास-खबर

राज्यव्यापी महापरीक्षा में सरगुजा के 4198 नवसाक्षरों ने उत्साह से लिया भाग

रायपुर। पढ़ने-लिखने और सीखने की कोई उम्र नहीं होती। सरगुजा जिले में रविवार को आयोजित राज्यव्यापी महापरीक्षा अभियान में नवसाक्षरों के उत्साह और सहभागिता ने इस संदेश को साकार कर दिखाया। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के 247 परीक्षा केंद्रों में 4198 नवसाक्षर शिक्षार्थियों ने महापरीक्षा में भाग लिया। खास बात यह रही कि कई केंद्रों में सास-बहू, पति-पत्नी, देवरानी-जेठानी और वरिष्ठ नागरिकों ने एक साथ परीक्षा दी, वहीं केंद्रीय जेल अम्बिकापुर के 96 नवसाक्षर बंदी भी महापरीक्षा में शामिल हुए। कलेक्टर अजीत वसंत के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी रोमा श्रीवास्तव के नेतृत्व में आयोजित महापरीक्षा के लिए जिले में 4306 परीक्षार्थियों का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। विरुद्ध शाम 5 बजे तक 4198 शिक्षार्थियों ने परीक्षा दी। राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण रायपुर के निर्देशानुसार जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण द्वारा सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक परीक्षा आयोजित की गई।

शिक्षा के साथ विद्यार्थियों का किया जा रहा सर्वांगीण

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत राज्य सरकार और विभागीय व्यवस्था से जिले में शिक्षा का स्तर अच्छा है। इसी कड़ी में जिला मुख्यालय महासमुंद से दूरस्थ क्षेत्र में स्थित ग्राम बरेकेलकला में शासकीय हाईस्कूल संचालित है। यह विद्यालय बस्ती से काफी दूर होने के बावजूद आज शिक्षा, परीक्षा परिणाम, पर्यावरण संरक्षण, जनसहयोग एवं विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति के क्षेत्र में अपनी एक अलग पहचान बना चुका है। यहां शिक्षकों की पर्याप्त व्यवस्था होने से शिक्षण कार्य में निरंतर सुधार आया और विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम वर्ष 2016 से 2023-34 तक 100 प्रतिशत रहा है। यह परिणाम विद्यालय के विद्यार्थियों के निरंतर मेहनत एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन से संभव हुआ है। अब विद्यालय के लिए नवीन भवन की स्वीकृति भी प्राप्त हुई, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हुआ।

नशामुक्ति और वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल का लिया संकल्प

राजनांदगांव। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिला प्रशासन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, समाज कल्याण विभाग तथा माय भारत के संयुक्त तत्वावधान में आज जिला चिकित्सालय राजनांदगांव के कांफ्रेंस हॉल में नशामुक्ति एवं वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं, खिलाड़ियों, विद्यालयों एवं शासकीय बौद्धिक दिव्यांगता वाले विशेष विद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, प्रशिक्षकों एवं माय भारत के स्वयंसेवकों ने सहभागिता की।

जहाँ प्रकृति पुकारती है, वहाँ धमतरी आपका इंतज़ार कर रहा है

गंगरेल के द्वीप से आकार ले रही धमतरी के अनुभव आधारित पर्यटन की नई पहचान

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी। कल्पना कीजिए—चारों ओर शांत जलराशि, दूर तक फैली हरियाली, खुले आसमान से झांकती सुनहरी धूप, ठंडी हवा का स्पर्श और शहर की भागदौड़ से दूर प्रकृति के बीच बिताए कुछ सुकून भरे पल। नाव धीरे-धीरे जल को चीरते हुए आगे बढ़ती है और लगभग 40 मिनट बाद सामने उभरता है एक खूबसूरत द्वीप। यहां पहुंचते ही महसूस होता है कि यात्रा केवल किसी स्थान तक पहुंचने की नहीं, बल्कि प्रकृति के और करीब आने की है। सेवा यह है गंगरेल का द्वीप, जो अब धमतरी के पर्यटन मानचित्र पर अनुभव आधारित पर्यटन की नई कहानी लिखने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

हर वर्ष 27 सितंबर को मनाया जाने वाला विश्व पर्यटन दिवस पर्यटन के सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व को रेखांकित करता है। वर्ष 2026 की थीम डिजिटल एजेंडा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा पर्यटन का पुनर्गठन पर्यटन के बदलते स्वरूप की ओर संकेत करती है। आज का पर्यटक केवल किसी स्थान को देखना नहीं चाहता, वह उसे महसूस करना, उसके साथ जुड़ना और एक यादगार अनुभव लेकर लौटना चाहता है। धमतरी इसी नई पर्यटन अवधारणा के अनुरूप प्रकृति, रोमांच, संस्कृति और स्थानीय समुदाय को एक साथ जोड़ने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

रात के शांत जलक्षेत्र के बीच कैंप में ठहरना, खुले आसमान के नीचे तारों को निहारना और प्रकृति की खामोशी को महसूस करना—ऐसे अनुभव पर्यटक को केवल किसी स्थान की तस्वीर नहीं देते, बल्कि उसकी स्मृतियों में एक कहानी छोड़ जाते हैं।

जहाँ हर अनुभव की अपनी कहानी है

गंगरेल का द्वीप धमतरी की पर्यटन संभावनाओं की केवल एक झलक है। जिले में पर्यटन की विविधता इसकी सबसे बड़ी विशेषता है। गंगरेल एडवेंचर स्पोर्ट्स रोमांच और जल पर्यटन का अनुभव देते हैं, तो ठेमली आइलैंड द्वीप पर्यटन की नई संभावनाओं को सामने लाता है। नरहरा वाटरफॉल प्रकृति और ट्रेकिंग के आकर्षण से जोड़ता है। महानदी का उद्गम सिहावा आध्यात्मिकता, प्रकृति और विरासत का अद्भुत संगम है। रूद्री कॉरिडोर और कायकिंग महानदी के तटवर्ती अनुभवों को नया स्वरूप दे रहे हैं। वहीं हरफर, मेचका और जबर्रा जैसे क्षेत्र सामुदायिक एवं इको-टूरिज्म की संभावनाओं को सामने लाते हैं। निरई माता श्रद्धा और प्रकृति के अनूठे समन्वय का अनुभव कराती है। इन सभी स्थलों को एक व्यापक पर्यटन परिपथ से जोड़ने पर धमतरी में ऐसा पर्यटन अनुभव विकसित किया जा सकता है, जिसमें पर्यटक एक ही यात्रा में जल, जंगल, रोमांच, आस्था, संस्कृति और ग्रामीण जीवन को महसूस कर सके। धमतरी केवल देखने की जगह नहीं है—यह महसूस करने की जगह है। गंगरेल के द्वीप से लेकर सिहावा की पहाड़ियों तक, महानदी के तट से लेकर जलप्रपातों और ग्रामीण अंचलों तक—धमतरी छत्तीसगढ़ के पर्यटन मानचित्र पर प्रकृति, रोमांच, आस्था, संस्कृति और समुदाय के समन्वय की एक नई कहानी लिख रहा है। इस विश्व पर्यटन दिवस पर आइए, धमतरी को केवल घूमें नहीं उसे महसूस करें। क्योंकि यहां हर रास्ता एक अनुभव की ओर जाता है और हर अनुभव एक ऐसी स्मृति बन जाता है, जो लौटने के बाद भी दिल में बसती है।

डिजिटल युग में धमतरी की नई पर्यटन पहचान

विश्व पर्यटन दिवस 2026 की थीम डिजिटल तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की ओर भी ध्यान आकर्षित करती है। डिजिटल प्लेटफॉर्म, वर्चुअल अनुभव, स्मार्ट यात्रा योजना, डिजिटल मैपिंग और पर्यटक सुविधाओं की ऑनलाइन जानकारी के माध्यम से धमतरी के पर्यटन स्थलों को देश-दुनिया के पर्यटकों तक पहुंचाने की व्यापक संभावनाएं हैं। आज किसी पर्यटन स्थल की पहचान केवल उसके प्राकृतिक सौंदर्य से नहीं, बल्कि उस सौंदर्य को दुनिया तक पहुंचाने की क्षमता से भी बनती है। धमतरी के पास प्रकृति का वैभव है; आवश्यकता है उसे आधुनिक तकनीक, बेहतर सुविधाओं और प्रभावी प्रचार-प्रसार से जोड़ने की।

गंगरेल के द्वीप पर रोमांच का नया संसार

गंगरेल जलाशय के विस्तृत जलक्षेत्र के मध्य स्थित द्वीप पर पहली बार आइलैंड कैंपसाइट विकसित किया गया है। यह पहल धमतरी में एडवेंचर, नेचर और कम्युनिटी टूरिज्म की संभावनाओं को एक नया आयाम देती है। 17 एवं 18 सितंबर को टूर ऑपरेटर्स के लिए आयोजित एफएएम ट्रिप के दौरान गंगरेल बांध, जलक्षेत्र, द्वीपों तथा आसपास के प्राकृतिक और सांस्कृतिक परिवेश का प्रत्यक्ष अनुभव कराया गया। इसके बाद 19 एवं 20 सितंबर को छत्तीसगढ़ की ट्रैवल कंपनी **CampOnce** द्वारा **2 Days-v Night Island Camping Adventure** आयोजित किया गया। इसमें छत्तीसगढ़ के साथ ओडिशा और तमिलनाडु से आए पर्यटकों ने सहभागिता की। संकल्प अभियान अंतर्गत यह विशेष लेख आप पढ़ रहे है। द्वीप तक पहुंचने वाली लगभग 40 मिनट की बोट यात्रा ही इस अनुभव की पहली रोमांचक कड़ी बनी।

पर्यटन बने स्थानीय समृद्धि का माध्यम

पर्यटन का वास्तविक प्रभाव तब दिखाई देता है, जब उसका लाभ स्थानीय समुदाय तक पहुंचे। गंगरेल जैसे क्षेत्रों में बोटिंग, स्थानीय गाइड, कैंप प्रबंधन, आतिथ्य, भोजन व्यवस्था, ट्रेकिंग, हस्तशिल्प, स्थानीय उत्पादों और अन्य पर्यटन सेवाओं में स्थानीय युवाओं तथा महिला समूहों की भागीदारी रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसरों का आधार बन सकती है। स्थानीय व्यंजन पर्यटक के लिए स्वाद का अनुभव बन सकते हैं, स्थानीय हस्तशिल्प स्मृति का हिस्सा बन सकते हैं।

जिम्मेदार पर्यटन-प्रकृति के साथ विकास

धमतरी की पर्यटन विकास यात्रा का आधार केवल अधिक पर्यटकों को आकर्षित करना नहीं, बल्कि जिम्मेदार और टिकाऊ पर्यटन को बढ़ावा देना है। प्राकृतिक स्थलों पर स्वच्छता, सुरक्षा, जैव विविधता संरक्षण, जल संरक्षण और स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी को प्राथमिकता देकर पर्यटन विकास को प्रकृति के अनुरूप आगे बढ़ाया जा सकता है। गंगरेल का द्वीप इसी संतुलन की संभावनाओं को सामने रखता है—जहां रोमांच हो, लेकिन प्रकृति की गरिमा के साथ; जहां पर्यटन हो, लेकिन स्थानीय समुदाय की भागीदारी के साथ; जहां आधुनिक सुविधाएं हों, लेकिन प्राकृतिक परिवेश की मौलिकता बनी रहे।

धमतरी—एक यात्रा नहीं, एक अनुभव

गंगरेल का द्वीप आज एक नई शुरुआत का प्रतीक है। यह उस धमतरी की तस्वीर प्रस्तुत करता है, जहां पर्यटन केवल घूमने का माध्यम नहीं, बल्कि प्रकृति से जुड़ने, रोमांच को महसूस करने, संस्कृति को जानने और स्थानीय जीवन के साथ संवाद करने का अवसर बन रहा है। जहां सुबह की पहली किरण जलराशि पर सुनहरी तस्वीर बनाती है और शाम का आसमान पूरे परिवेश को एक अलग रंग दे देता है। जहां नाव की लहरों से शुरू हुआ सफर रात के तारों तक पहुंचता है। जहां प्रकृति की शांति और रोमांच की ऊर्जा साथ-साथ चलती है।

धमतरी के 86 आंगनबाड़ी केंद्रों में आंगन मिलन का आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सेवा, संवेदना और जनसहभागिता की भावना को साकार करते हुए धमतरी जिले के 86 आंगनबाड़ी केंद्रों में 'आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत आयोजित इस विशेष पहल का मुख्य उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों को केवल पोषण वितरण तक सीमित न रखकर, इन्हें स्वास्थ्य, प्रारंभिक शिक्षा और सामाजिक संस्कारों के जीवंत सामुदायिक केंद्र के रूप में स्थापित करना है। इस जिलाव्यापी कार्यक्रम में मगरलोड, कुरूद, धमतरी शहरी, धमतरी ग्रामीण और नगरी क्षेत्रों के आंगनबाड़ी केंद्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान केंद्रों में बच्चों की

खिलखिलाहट, महिलाओं की सक्रिय भागीदारी और मैदानी कार्यकर्ताओं के समर्पित प्रयासों का एक अद्भुत संगम देखने को मिला। जिलेभर में आयोजित इन कार्यक्रमों में कुल 4,173 प्रतिभागियों ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई, जिनमें 541 बच्चे, 1,028 महिलाएं और 1,930 पुरुष शामिल रहे। स्थानीय जनप्रतिनिधियों, विभागीय अधिकारियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं और मितानिनों की उत्साही मौजूदगी ने इस आयोजन को एक सशक्त जन-आंदोलन का रूप दे दिया।

जशपुर में वॉकथॉन के जरिए गूंजा नशामुक्त समाज का संदेश

श्रीकंचनपथ समाचार

जशपुर। सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत 'सेवा मेरा योगदान' की भावना के साथ जशपुर नगर में रविवार को आयोजित वॉकथॉन में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, विद्यार्थियों और नागरिकों ने कदम से कदम मिलाकर नशामुक्त एवं स्वस्थ समाज के निर्माण का संदेश दिया। बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता से निकली इस पदयात्रा के माध्यम से नागरिकों को नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और सामाजिक सरोकारों

में अपनी भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया गया।

वॉकथॉन में जशपुर विधायक रायमुनि भगत, नगर पालिका अध्यक्ष अरविन्द भगत, जनपद पंचायत अध्यक्ष गंगा राम भगत, कलेक्टर रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए।

वॉकथॉन जय स्तंभ चौक से प्रारंभ होकर बस स्टैंड होते हुए रणजीता स्टेडियम पहुंची, जहां इसका समापन हुआ। पदयात्रा के दौरान प्रतिभागियों ने सेवा, सामाजिक जिम्मेदारी, स्वस्थ जीवनशैली और नशामुक्त समाज के प्रति जनजागरूकता का संदेश दिया। विद्यार्थियों और नागरिकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने अभियान को जनसहभागिता का स्वरूप दिया।

रणजीता स्टेडियम में विधायक श्रीमती रायमुनि भगत ने उपस्थित जनसमुदाय को नशामुक्ति की शपथ दिलाई।

'सेंट्रल इंडिया कनेक्ट मार्केट प्लेस' में जीपीएम जिले के पर्यटन वैभव की आकर्षक प्रस्तुति

पर्यटन संभावनाओं को नई पहचान दिलाने जिला प्रशासन कर रहा सतत प्रयास : कलेक्टर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड एवं छत्तीसगढ़ ट्रैवल ट्रेड एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में राजधानी रायपुर में आयोजित 'सेंट्रल इंडिया कनेक्ट मार्केटप्लेस' में गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के समृद्ध प्राकृतिक, ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन वैभव को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया गया। जिले की पर्यटन संभावनाओं को प्रदेश और देश के पर्यटन जगत के समक्ष प्रभावी रूप से प्रस्तुत करने के उद्देश्य से आयोजन में विशेष स्टॉल लगाया गया है।

विशेष स्टॉल के माध्यम से जिले के नैसर्गिक सौंदर्य, हरे-भरे वनांचल, ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक धरोहरों, धार्मिक आस्था के केंद्रों तथा प्रमुख पर्यटन स्थलों की विशेषताओं को आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। आयोजन में पर्यटन क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधियों, ट्रैवल ट्रेड से जुड़े लोगों तथा आगंतुकों को जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों और उनकी विशिष्टताओं की जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही जिले की प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विविधता और ऐतिहासिक विरासत को पर्यटन के रूप में विकसित करने की संभावनाओं से भी परिचित कराया जा रहा है।

कलेक्टर विजय दयाराम के. ने विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर कहा कि गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिला प्रकृति, संस्कृति और विरासत का अनूठा संगम है। जिले में पर्यटन विकास की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं। जिला प्रशासन द्वारा पर्यटन स्थलों के संरक्षण, स्वच्छता, सौंदर्यीकरण और आवश्यक सुविधाओं के विकास के साथ उन्हें व्यापक पहचान दिलाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पर्यटन को बढ़ावा मिलने से जिले की विशिष्ट पहचान मजबूत होगी और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार एवं आजीविका के नए अवसर भी विकसित होंगे। जिले के पर्यटन स्थलों के विकास में स्थानीय समुदाय की सहभागिता महत्वपूर्ण है। स्थानीय लोगों को पर्यटन गतिविधियों से जोड़कर पर्यटन आधारित रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ावा दिया जा सकता है। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर आयोजित यह पहल स्थानीय पर्यटन को प्रोत्साहन देने और जिले को एक आकर्षक पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। माध्यम से गौरेला-पेंड्रा-मरवाही की प्राकृतिक सुंदरता, ऐतिहासिक विरासत, धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक विविधता को व्यापक स्तर पर पहचान दिलाने का प्रयास किया जा रहा है।

पर्यटन ब्रांडिंग के लिए महत्वपूर्ण मंच

'सेंट्रल इंडिया कनेक्ट मार्केटप्लेस' में जीपीएम जिले की सहभागिता जिले की पर्यटन संपदा को प्रदेश एवं देश के पर्यटन क्षेत्र के समक्ष प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण अवसर है। विशेष स्टॉल के माध्यम से जिले के पर्यटन स्थलों की ब्रांडिंग, प्रचार-प्रसार और पर्यटन क्षेत्र से जुड़े हितधारकों तक जानकारी पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण पर जोर

कलेक्टर विजय दयाराम के. ने कहा कि जिले की प्राकृतिक एवं ऐतिहासिक धरोहरों को पर्यटन मानचित्र पर प्रमुखता से स्थापित करने के साथ उनके संरक्षण पर भी विशेष ध्यान देना आवश्यक है। पर्यटन स्थलों को स्वच्छ, सुंदर और प्लास्टिक मुक्त रखना सभी की साझा जिम्मेदारी है। पर्यटकों और स्थानीय नागरिकों की सहभागिता से पर्यटन स्थलों की प्राकृतिक सुंदरता और विशिष्ट पहचान को लंबे समय तक संरक्षित रखा जा सकता है।

किसानों को फसलों में कीट एवं रोग प्रबंधन की सलाह

राजनांदगांव। जिले में विगत दो दिनों से लगातार वर्षा एवं वातावरण में अधिक नमी को देखते हुए कृषि विभाग द्वारा किसानों को धान, सोयाबीन, अरहर, उड़द, मूंग एवं कपास की फसलों में कीट एवं रोगों की नियमित निगरानी तथा आवश्यकता के अनुसार अनुशंसित दवाओं के उपयोग की सलाह दी गई है। लगातार वर्षा के कारण खेतों में नमी एवं आर्द्रता बढने से फफूंदजनित रोगों के साथ-साथ कुछ कीटों का प्रकोप बढने की संभावना रहती है। किसान को फसल की वर्तमान अवस्था के अनुसार आवश्यक उपाय अपनाने का सुझाव दिया गया है। इस अवस्था में भूरा माहू, पैनिकल माइट, गंधी बग, तना छेदक एवं पत्ती लपेटक तथा ब्लास्ट, भूरा धब्बा एवं शीथ ब्लाइट की विशेष निगरानी करें।

खास खबर

25 करोड़ की रंगदारी मांगी, पुलिस ने मांगी रिमांड, शोएब ढेबर गिरफ्तार

रायपुर। कांग्रेस नेता आनंद कुकरेजा को लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर धमकी देकर 25 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगने के मामले में पुलिस ने कांग्रेस से जुड़े और शराब कारोबारी अनवर ढेबर के बेटे शोएब ढेबर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार देर रात शोएब को गिरफ्तार किया। रविवार शाम उसे कोर्ट में पेश किया लेकिन कोर्ट ने उसे जमानत पर छोड़ दिया। इससे पहले शोएब के चाचा और पूर्व महापौर एजाज ढेबर को भी लॉरेंस बिश्नोई और अमन साव गैंग के नाम पर 50 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगने की धमकी मिली थी। उन्हें फोन के साथ मैसेज भी भेजा गया था। एजाज ढेबर ने कोतवाली में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। इस मामले में भी विदेशी वर्चुअल नंबर का इस्तेमाल किया गया था। जांच में सामने आया है कि एजाज को भेजे गए मैसेज को कॉपी कर उसमें केवल नाम बदलकर आनंद कुकरेजा को भेजा गया।

घर से नहाने निकला था युवक, नाले में मिला शव

कोरबा। बालको थाना अंतर्गत तिलाईडांड गांव निवासी सुरेश कुमार कुजूर (25) रविवार सुबह घर से नाला में नहाने के लिए निकला था। लेकिन वह दोपहर तक वापस घर नहीं पहुंचा। खाना खाने के लिए नहीं पहुंचने पर चिंतित परिजन ने उसकी तलाश शुरू की। वे नाला के पास पहुंचे तो वहां उसकी लाश पानी में नजर आई। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। बालको थाना से पुलिस टीम मौके पर पहुंची। वहीं एसडीआरएफ की टीम ने घटनास्थल पहुंचकर लाश को नाला से बाहर निकाला। मामले में मर्ग कायम कर लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। प्रारंभिक जांच के आधार पर पुलिस नाला में नहाते समय डूबने से युवक की मौत होने की आशंका जता रही है। थाना प्रभारी निरीक्षक युवराज तिवारी के मुताबिक मामले में जांच जारी है।

सूने घर से 8 लाख की चोरी एफआईआर दर्ज

रायगढ। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने करीब 8 लाख रुपए के जेवरात और 60 हजार रुपए कैश चोरी कर लिए। परिवार दशगात्र कार्यक्रम में शामिल होने दूसरे गांव गया था। इसी दौरान चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम कंवरिहा निवासी लक्ष्मी प्रसाद पटेल (58) अपने पूरे परिवार के साथ 13 सितंबर को रिशतेदार के निधन में ग्राम पुरूंगा में दशगात्र कार्यक्रम में शामिल होने चला गया। कार्यक्रम खत्म होने के बाद परिवार वापस अपने घर लौटा। घर पहुंचने पर अंदर के कमरे का दरवाजा टूटा मिला। आरोपी के खिलाफ बीएनएस के तहत केस दर्ज कर लिया है।

थाने से भागा छेड़छाड़ का आरोपी तीन दिन बाद गिरफ्तार, रात में आता था घर, पुलिस ने की घेराबंदी

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में थाने से भागा छेड़छाड़ का आरोपी तीन दिन बाद पुलिस की गिरफ्त में आया। दरअसल पुलिस को चकमा देकर आरोपी थाने से भाग गया था। इसके बाद जंगल में छिपकर रह रहा था। रात के अंधेरे में घर आता और सुबह होने से पहले भाग जाता था। मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया।

मिली जानकारी के अनुसार आरोपी खीरचंद पिता रामचरण (40) पसान थाना क्षेत्र का निवासी है। उसके खिलाफ छेड़छाड़ का पुराना मामला दर्ज था, जिसमें वह लंबे समय से फरार चल रहा था। न्यायालय ने उसके खिलाफ स्थायी वारंट जारी किया था। 22 सितंबर को पसान पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर थाने

लाया था। थाने में बैठाकर आरोपी से पूछताछ की जा रही थी। उसने शौचालय जाने की बात कही। ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने उसे जाने दिया, लेकिन वह शौचालय से वापस नहीं लौटा। नहीं लौटने पर पुलिसकर्मी उसे तलाशने गए, लेकिन आरोपी थाने से फरार हो चुका था। घटना की जानकारी मिलते ही थाने में हड़कंप मच गया। आरोपी के फरार होने के बाद पुलिस ने उसके खिलाफ अभिरक्षा से भागने का अलग से अपराध दर्ज किया और तलाश शुरू कर दी। आरोपी खेती-किसानी और मजदूरी का काम करता है। उसकी पत्नी और बच्चे घर पर रहते हैं, जिनसे मिलने के लिए वह रोज रात में घर पहुंच रहा था। पुलिस ने उसके घर की घेराबंदी की और छापा मारकर आरोपी खीरचंद को गिरफ्तार कर लिया। फरार आरोपी खीरचंद को गिरफ्तार कर लिया उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करते हुए उसे जेल भेज दिया गया।

महिला की पत्थर से सिर कुचलकर हत्या डॉग स्क्वॉड बाघा ने पहुंचाया हत्यारे तक

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा जिले के पसान थाना क्षेत्र के ग्राम लोकहड़ा में महिला की पत्थर से सिर कुचलकर हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी अपनी पत्नी और भाभी को शराब पिलाने से परेशान था। पुलिस की जांच में डॉग स्क्वॉड के 'बाघा' ने अहम भूमिका निभाई और आरोपी तक पहुंचाया।

मामला 23 सितंबर का है। ग्राम लैंगा के पास ग्राम लोकहड़ा में 24 वर्षीय सुखमनिया एक्का का शव खेत के पास संदिग्ध अवस्था में मिला था। सिर पर पत्थर से वार कर उसकी हत्या की गई थी। सूचना मिलते ही पसान थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्र यादव टीम के साथ मौके पर पहुंचे। कटघोरा एसडीओपी विजय सिंह राजपूत ने भी घटनास्थल का मुआयना किया। फोरेंसिक, साइबर और डॉग स्क्वॉड की टीम ने जांच शुरू की। शव का पंचनामा और पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया।

घटनास्थल से खून से सना पत्थर भी जब्त किया गया।

आधा किलोमीटर दूर घर में घुसा डॉग 'बाघा'

ग्राम लोकहड़ा वनांचल क्षेत्र है। छोटी पहाड़ियों के बीच बसे इस इलाके में तकनीकी और संचार साधनों का अभाव है। ऐसे में जांच के लिए डॉग स्क्वॉड के बाघा को लगाया गया।

बाघा ने घटनास्थल से सुराग लिया और ऊंचे-नीचे रास्तों से होते हुए करीब आधा किलोमीटर दूर एक घर में घुस गया। इसके बाद पुलिस ने घर में रहने वाले सहस राम को संदेह के आधार पर हिरासत में लिया।

पत्नी और भाभी को शराब पिलाने से था नाराज

आरोपी सहस राम मिंज पिता प्रेम सिंह (38), निवासी ग्राम लोकड़हा उरांवपारा ने पूछताछ में बताया कि सुखमनिया एक्का उसकी पत्नी की सहेली थी। दोनों के घर करीब 50 मीटर की दूरी पर हैं। सुखमनिया शराब पीती थी और उसकी पत्नी और छोटे भाई की पत्नी को भी शराब पिलाती थी।

मना करने के बाद भी नहीं मानी तो कर दी हत्या

आरोपी ने बताया कि उसने कई बार सुखमनिया को शराब पिलाने से मना किया था, लेकिन वह नहीं मानी। 22 सितंबर की शाम आरोपी बकरी चराकर घर लौटा तो उसकी पत्नी, छोटे भाई की पत्नी और सुखमनिया तीनों शराब के नशे में हुल्लड़ कर रही थीं।

गुस्से में उसने सुखमनिया को घर से भगा दिया। जब सुखमनिया अपने चाचा के घर जा रही थी, तब आरोपी ने उसका पीछा किया। मुडहीकुवां खेत के पास सुनसान जगह पर उसने पत्थर से हमला कर उसकी हत्या कर दी। फिलहाल, पुलिस ने आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

तंदुला नहर में मिली अज्ञात महिला की लाश, बारिश में बहकर आने की आशंका

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले के डुंडेरा गांव के पास शनिदेव मंदिर के नजदीक तंदुला नहर में रविवार को अज्ञात महिला का शव मिला। नहर के पास से गुजर रहे लोगों की नजर पानी में पड़े शव पर गई। इसके बाद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही उतई थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नहर से बाहर निकलवाया।

महिला की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के गांवों और थानों से महिला के संबंध में जानकारी जुटा रही है। साथ ही, हाल के दिनों में इलाके से किसी महिला के लापता होने की जानकारी भी तलाश की जा रही है। शव मिलने की सूचना के बाद मौके पर कुछ देर के लिए लोगों की भीड़ जमा हो गई।

आशंका है कि महिला का शव नहर में कहीं और से बहकर डुंडेरा के पास पहुंचा हो सकता है। आसपास के लोग भी महिला की पहचान नहीं कर सके हैं। पुलिस ने आसपास के जिलों में भी सूचना दी है, ताकि महिला की पहचान हो सके। पुलिस ने अभी यह पुष्टि नहीं की है कि महिला की मौत नहर में

डूबने से हुई या किसी दूसरी वजह से। मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही साफ हो सकेगा।

तंदुला नहर में इस महीने तेज बहाव के कारण पहले भी हादसा हो चुका है। 12 सितंबर को उतई थाना क्षेत्र के सेलूद भाठापारा में रायपुर से आए 17 वर्षीय कबड्डी खिलाड़ी शिवम यादव नहर के तेज बहाव में बह गए थे। अगले दिन एसडीआरएफ की टीम ने उनका शव बरामद किया था।

उस समय भी नहर में पानी का स्तर अधिक और बहाव तेज बताया गया था। दुर्ग जिले में पिछले दिनों हुई बारिश के कारण जलस्त्रोतों में पानी बढ़ा है। 26 सितंबर को बालोद जिले में तंदुला जलाशय के छलकने की खबर भी सामने आई थी। जलाशय में पानी की लगातार आवक के बीच तेज धार के साथ पानी बह रहा था।

चाकू घोंपकर युवक की हत्या : पुरानी रंजिश में दो गुटों में विवाद, जंगल में रात भर पड़ी रही लाश

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में रविवार की रात दो गुटों में गैंगवार हो गया। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे चले। हमलावरों ने एक युवक को चाकू घोंप दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद पुलिस हमलावरों की तलाश कर रही है। वहीं, सबूत जुटाने और जांच के चलते युवक की लाश रात भर मौके पर ही पड़ी रही। घटना सिरगिट्टी थाना क्षेत्र की है।

सिरगिट्टी के मैट्रिक्स चौक निवासी ओम दिवाकर और सुनील निर्मलकर उर्फ कल्लू टाइगर आसपास रहते हैं। बताया

जा रहा है कि दोनों के बीच लंबे समय से विवाद रहा था। रविवार रात ओम दिवाकर अपने साथियों के साथ घर के पास मैट्रिक्स चौक खड़ा था। उसी समय सुनील उर्फ कल्लू टाइगर अपने दोस्तों के साथ पहुंचा।

इस दौरान दोनों एक-दूसरे को घूरते हुए गाली-गलौज करने लगे। फिर देखते ही देखते विवाद शुरू हो गया। दोनों पक्ष एक-दूसरे पर हाथ-मुक्का और लाठी-डंडों से पिटाई करते रहे। इस दौरान उनके बीच जमकर मारपीट हुई।

इसी दौरान हमलावरों ने ओम दिवाकर पर ताबड़तोड़ हमला किया और चाकू निकालकर घोंप दिया। जिससे वह खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर गया। इसके बाद हमलावर इधर-उधर भागने लगे। इस हमले में ओम दिवाकर की मौके पर ही मौत हो गई।

हत्या की खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। जिसके बाद आसपास पूछताछ करने के बाद मुख्य आरोपी सुनील निर्मलकर उर्फ कल्लू टाइगर को पकड़ लिया। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

युवक का शव यहां रात पर पड़ा रहा। रात होने के कारण अंधेरे में फोरेंसिक जांच नहीं हो सका। पुलिस ने घटना स्थल पर साक्ष्य प्रभावित होने के कारण शव को नहीं उठवाया। सोमवार सुबह फोरेंसिक एक्सपर्ट की टीम मौके पर पहुंची, जिसके बाद जांच शुरू की। इसके बाद ओम दिवाकर के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सिम्स भेजा गया।

विवाहिता की संदिग्ध मौत, परिजनों ने मचाया हंगामा, मायके पक्ष ने लगाया हत्या का आरोप

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में विवाहित महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर महिला के मायके वाले सिम्स अस्पताल पहुंच गए। जहां उन्होंने हत्या का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा मचाया।

उनका आरोप है कि ससुरालवाले बेटी से 1 लाख रुपए लाने का दबाव बना रहे थे। दो बेटी होने के बाद उसे प्रताड़ित भी किया जाता था। उन्होंने ससुरालवालों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज करने की मांग की है। घटना सकरी थाना क्षेत्र की है।

ग्राम सकर्रा के रहने वाले विदेशी निर्मलकर ने बताया कि बहन दुर्गा निर्मलकर (26) की शादी 2022 में सैदा निवासी रोहित निर्मलकर से हुई थी। शादी के बाद दुर्गा की दो बेटियां हुईं। दूसरी बेटी के जन्म के बाद से ही पति और ससुराल वाले उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने लगे थे।

उन्होंने बताया कि शनिवार शाम करीब 6 बजे रोहित ने फोन कर दुर्गा के बेहोश होने की सूचना दी।

उसने बताया कि अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई है। इसके बाद वह सैदा पहुंचा, जहां पता चला कि दुर्गा को पहले निजी अस्पताल ले जाया गया था। हालत गंभीर होने पर उसे सिम्स अस्पताल रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने दुर्गा की हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। रविवार को परिजनों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस ने शव को मरच्यूरी भेज दिया और दोनों पक्षों के बयान दर्ज किए। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही महिला की मौत के कारणों का पता चल सकेगा। रिपोर्ट के आधार पर आगे नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

विवाद के बाद पिकअप से कुचलकर युवक की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जामुल थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात को विवाद के बाद युवक को पिकअप से कुचलकर मारने वाले चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त पिकअप वाहन को भी जब्त कर लिया है। पुलिस ने सभी चारों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार कैलाश नगर निवासी नारायण सिंह के पुत्र अंकित सिंह के जन्मदिन के अवसर पर 25 सितंबर की रात्रि लगभग 11:30 बजे गोपी अपने पिकअप वाहन में अन्य साथियों के साथ ढांचा भवन स्थित दुर्गा पंडाल के पास आया था। अंकित सिंह एवं गोपी के बीच कुछ विवाद हुआ। विवाद के दौरान गोपी द्वारा अंकित से गाली-गलौज की गई तथा पिकअप वाहन को तेज एवं खतरनाक तरीके से चलाते हुए अंकित के ऊपर चढ़ा दिया गया।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम

- गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी, उम्र 23 वर्ष, निवासी एलआईजी 80, पम्प हाउस के पास, ढांचा भवन, कुरूद, थाना जामुल, जिला-दुर्ग।
- गुरप्रीत सिंह उर्फ गगन, उम्र 24 वर्ष, निवासी कैलाश नगर, भिलाई, जिला-दुर्ग।
- मिलिंद साहू, उम्र 21 वर्ष, निवासी एसीसी चौक, नंदिनी रोड, जामुल, जिला-दुर्ग।
- शुभम शर्मा, उम्र 21 वर्ष, निवासी गोकुल नगर, थाना जामुल, जिला-दुर्ग।

घटना के बाद गोपी व उसके साथी मौके से फरार हो गए।

अंकित सिंह को उसके साथियों द्वारा उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सक द्वारा उसे मृत घोषित किया गया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना जामुल में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान पुलिस टीम द्वारा आरोपियों की तलाश एवं घेराबंदी कर चार आरोपियों को पकड़ा गया। पूछताछ एवं विवेचना के आधार पर घटना में प्रयुक्त पिकअप वाहन जब्त किया गया। चारों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

उक्त प्रकरण में थाना जामुल पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपियों की पहचान, तलाश एवं घेराबंदी कर गिरफ्तारी तथा घटना में प्रयुक्त वाहन की जप्ती की गई। कार्यवाही में थाना जामुल में पदस्थ अधिकारी/कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि विवाद की स्थिति में कानून अपने हाथ में न लें तथा किसी भी प्रकार के विवाद या हिंसक घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दें। वाहन का संचालन सदैव सुरक्षित एवं निर्धारित नियमों के अनुरूप करें। कानून का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

भिलाई नगर थाने की लावारिश वाहन नीलाम, दुर्ग पुलिस के खजाने में आए 12 लाख से ज्यादा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। थाना भिलाई नगर में जप्त एवं लावारिस 343 दोपहिया वाहनों की एमएसटीसी पोर्टल से ऑनलाइन नीलामी की गई। इस नीलामी में दुर्ग पुलिस के खजाने में कुल 12.26 लाख से अधिक की राशि जमा हुई। इस दौरान 343 दोपहिया वाहनों को नीलाम किया गया। नीलामी प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से निर्धारित नियमों के अनुसार संपन्न कराई गई तथा प्राप्त राशि नियमानुसार शासन के खाते में जमा कराई जाएगी। थाना भिलाई नगर में शेष लावारिस एवं लावारिस अवस्था में खड़े वाहनों के नियमानुसार निराकरण की कार्यवाही भी निरंतर जारी है।

दुर्ग जिले के थानों में लंबे समय से जप्त एवं लावारिस अवस्था में खड़े वाहनों के नियमानुसार निराकरण हेतु कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम

में थाना भिलाई नगर में जप्त एवं लावारिस अवस्था में खड़े 343 दोपहिया वाहनों के संबंध में आवश्यक वैधानिक एवं दस्तावेजी प्रक्रिया पूर्ण करने के उपरांत एमएसटीसी (Metal Scrap Trading Corporation Limited) के ई-ऑक्शन पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन नीलामी की कार्यवाही की गई।

उपलब्ध एमएसटीसी बिड शीट के अनुसार नीलामी प्रक्रिया में कुल 03 लॉट रखे गए थे। तीनों लॉट की नीलामी से क्रमशः 4,24,514 रुपए, 4,11,054 रुपए तथा 3,91,382 रुपए प्राप्त हुए । इस प्रकार कुल 12,26,950 रुपए की राशि प्राप्त हुई है। नीलामी प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से निर्धारित नियमों के अनुसार संपन्न कराई गई। नीलामी से प्राप्त राशि को नियमानुसार शासन के खाते में जमा कराया जाएगा। थाना भिलाई नगर में शेष लावारिस वाहनों के नियमानुसार निराकरण एवं नीलामी की कार्यवाही भी निरंतर जारी है।

थाना भिलाई नगर में जप्त एवं लावारिस अवस्था में खड़े 343 दोपहिया वाहनों की नियमानुसार ऑनलाइन नीलामी की गई। उक्त कार्यवाही में रक्षित निरीक्षक नीलकंठ वर्मा,थाना भिलाई नगर पुलिस द्वारा जप्त एवं लावारिस वाहनों के नियमानुसार निराकरण हेतु आवश्यक दस्तावेजी एवं वैधानिक प्रक्रिया पूर्ण करने तथा एमएसटीसी ई-ऑक्शन प्रक्रिया के समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई।

दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि अपने वाहनों के पंजीयन एवं स्वामित्व संबंधी दस्तावेज सुरक्षित रखें। वाहन खरीदते अथवा बेचते समय दस्तावेजों एवं वाहन के स्वामित्व का विधिवत सत्यापन करें। किसी लावारिस या संदिग्ध वाहन के संबंध में जानकारी मिलने पर तत्काल निकटतम पुलिस थाना को सूचना देकर पुलिस कार्यवाही में सहयोग करें।

बाड़ी में छिपाई थी महुआ शराब, आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़। रायगढ़ में ऑपरेशन आघात के तहत कोतरारोड पुलिस ने ग्राम नंदेली के इंदिरा आवास पारा में अवैध महुआ शराब के खिलाफ कार्रवाई की। पुलिस ने बाड़ी में शराब रखकर बिक्री करने की सूचना पर दबिश देकर मनबोध चौहान (40) को पकड़ा। उसके कब्जे से 5-5 लीटर क्षमता वाली दो प्लास्टिक जरीकेन में कुल 9 लीटर महुआ शराब मिली। इसकी कीमत करीब 900 रुपए बताई गई है। 26 सितंबर को थाना प्रभारी निरीक्षक शील आदित्य सिंह को मुखबिर से सूचना मिली थी। टीम ने मौके पर घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा और गवाहों के सामने शराब जब्त की। आरोपी के खिलाफ धारा 34(2), 59(क) आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे रिमांड पर भेज दिया गया।

खास-खबर

बस्तर के डोंगाघाट में 18 लोगों को हेलीकॉप्टर से निकाला

रायपुर। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश और अचानक जलस्तर बढ़ने के कारण बस्तर जिले के डोंगाघाट क्षेत्र में बाढ़ का पानी घरों में घुस गया, जिससे कई ग्रामीण और छोटे बच्चे छतों पर फंसने को मजबूर हो गए। रविवार को भारतीय वायु सेना के विशेष एमआई-17 हेलीकॉप्टर की मदद से एक बड़ा रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। वायुसेना के जांबाजों ने डोंगाघाट में बाढ़ के बीच जिंदगी और मौत से जूझ रहे 18 नागरिकों को सुरक्षित एयरलिफ्ट कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

बस्तर कमिश्नर ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का लिया जायजा

रायपुर। कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह ने रविवार को बस्तर जिले के जगदलपुर तहसील अंतर्गत बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया। उन्होंने प्रभावित परिवारों से रूबरू होकर उनके ठहरने, भोजन, पेयजल और स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावितों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए शासन-प्रशासन पूरी संवेदनशीलता के साथ प्रयासरत है। उन्होंने भोजन, पानी, दवा और पुनर्वास कार्यों का भी जायजा लिया।

नेक्स्ट यूथ कॉन्क्लेव में शामिल हुए मुख्यमंत्री

सीधा और सच्ची बात साहस के साथ रखें युवा, नई सोच से बनाएं नई पहचान : साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी रायपुर में आयोजित 'छत्तीसगढ़ नेक्स्ट यूथ कॉन्क्लेव' में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर प्रदेश का नाम रोशन करने वाली युवा प्रतिभाओं को सम्मानित किया। उन्होंने आज की जनधारा की 36वीं वर्षगांठ के अवसर पर प्रकाशित 'आज की जनधारा साहित्यिक वार्षिकी-2026' का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने युवाओं से आत्मीय संवाद करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ का युवा प्रतिभाशाली, परिश्रमी और संभावनाओं से भरपूर है। युवाओं की नई सोच, ऊर्जा और रचनात्मकता प्रदेश के भविष्य की सबसे बड़ी शक्ति है। युवाओं को अपनी बात सीधी, सच्ची और साहस के साथ रखनी चाहिए तथा अपने विचारों और कार्यों से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ युवाओं के सामने अवसरों का नया संसार खुला है। आवश्यकता इस बात की है कि वे अपनी प्रतिभा को पहचानें, बड़े लक्ष्य तय करें और पूरे आत्मविश्वास के साथ उन्हें हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक और सांस्कृतिक समृद्धि का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारा प्रदेश प्रकृति की अनुपम देन से समृद्ध है। यहां के वन, पहाड़, जलप्रपात, गांवों का सहज जीवन और विविध लोक परंपराएं छत्तीसगढ़ को विशिष्ट पहचान देती हैं। उन्होंने मधेश्वर पहाड़ और वहां की शिवलिंग सदृश प्राकृतिक संरचना का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश में अनेक ऐसे स्थल हैं, जिनमें पर्यटन की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की असली आत्मा यहां के गांवों, लोकजीवन और संस्कृति में बसती है। सादरी सहित प्रदेश की विभिन्न बोलियां, लोककला, लोकगीत और नागपुरी संगीत हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध बनाते हैं। नई पीढ़ी को आधुनिकता के साथ आगे बढ़ते हुए अपनी जड़ों, भाषा-बोली और सांस्कृतिक विरासत से भी जुड़े रहना चाहिए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने जीवन के अनुभव युवाओं के साथ साझा करते हुए कहा कि कम उम्र में ही उनके सिर से पिता का साया उठ गया था और परिवार की जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई थी। उन्होंने खेती-बाड़ी करते हुए परिवार की जिम्मेदारियां निभाईं और अपने छोटे भाइयों की शिक्षा सुनिश्चित करने का प्रयास किया। जीवन की कठिन परिस्थितियों ने उन्हें संघर्ष करना और जिम्मेदारियों से पीछे न हटना सिखाया।

उन्होंने युवाओं से कहा कि जीवन में परिस्थितियां हमेशा अनुकूल नहीं होतीं, लेकिन कठिनाइयों से घबराने के बजाय उनका सामना करते हुए आगे बढ़ना चाहिए। परिश्रम, धैर्य और संकल्प के साथ किया गया प्रयास व्यक्ति के लिए आगे बढ़ने के नए रास्ते खोलता है।

प्रसिद्ध कलाकार पीयूष मिश्रा ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध कला एवं संस्कृति की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से पंडवानी की महान कलाकार पद्म विभूषण स्वर्गीय श्रीमती तीजन बाई के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी अद्भुत कला के माध्यम से महाभारत के विभिन्न पात्रों को मंच पर जीवंत किया और पंडवानी को देश-दुनिया में विशिष्ट पहचान दिलाई। श्री मिश्रा ने कार्यक्रम में अपने प्रसिद्ध गीत 'आरंभ है प्रचंड' की प्रस्तुति भी दी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कॉन्क्लेव में सम्मानित युवा प्रतिभाओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं के विचारों, उपलब्धियों और प्रतिभा को समाज के सामने लाने के साथ उन्हें नई ऊर्जा और प्रेरणा प्रदान करते हैं।

प्रधानमंत्री के 'मन की बात' में होता है प्रेरक प्रसंगों का जिक्र

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और नए विचारों को साकार करने के लिए व्यापक अवसर मिल रहे हैं। आज भारत का युवा नवाचार, स्टार्टअप, विज्ञान, तकनीक, खेल, कला-संस्कृति सहित हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रहा है। छत्तीसगढ़ के युवाओं में भी अपार सामर्थ्य है और वे अपनी प्रतिभा तथा परिश्रम से विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' का उल्लेख करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम देश के अलग-अलग हिस्सों में हो रहे प्रेरणादायी प्रयासों को सामने लाने और जनभागीदारी को प्रोत्साहित करने का सशक्त माध्यम बना है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, पोषण और जनभागीदारी के संदेश का उल्लेख करते हुए 'हर घर मुनगा, घर-घर मुनगा' अभियान की चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुनगा पोषण का सहज और स्थानीय स्रोत है। इसे जनभागीदारी से घर-घर तक पहुंचाकर स्वस्थ और सुपोषित छत्तीसगढ़ के संकल्प को और मजबूत किया जा सकता है।

अशोक सिंघल जन्मशताब्दी वर्ष

अयोध्या के मंदिर निर्माण में स्व. सिंघल का योगदान अविस्मरणीय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय वीआईपी रोड स्थित निरंजन धर्मशाला में अशोक सिंघल जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने श्री सिंघल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया तथा समाज, संस्कृति और राष्ट्र के प्रति उनके योगदान का स्मरण करते हुए विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि श्रद्धेय श्री सिंघल का संपूर्ण जीवन समाज को संगठित करने, सनातन संस्कृति के संरक्षण, सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय स्वाभिमान को सुदृढ़ करने के लिए समर्पित रहा। वे कुशल संगठनकर्ता थे और समाज की सामूहिक शक्ति पर उनका अटूट विश्वास था। उन्होंने अपने विचारों और कार्यों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ने तथा भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों के प्रति चेतना जागृत करने का कार्य किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर निर्माण की आकांक्षा को व्यापक जनभावना से जोड़ने और इसके लिए समाज को एकजुट करने में श्रद्धेय अशोक सिंघल जी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। आज अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम अपने भव्य मंदिर में विराजमान हैं। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के पीछे अनेक पीढ़ियों का संघर्ष, तप, त्याग और समर्पण जुड़ा हुआ है। श्रद्धेय अशोक सिंघल जी का योगदान भी इस यात्रा का महत्वपूर्ण अध्याय है। उन्होंने भारतीय संस्कृति के मूल्यों के प्रति समाज में जागरूकता और स्वाभिमान का भाव सुदृढ़ करने के लिए जीवनपर्यंत कार्य किया।

प्रदेशवासियों की इसी आस्था को ध्यान में रखते हुए हमने श्री रामलला दर्शन योजना प्रारंभ की है। योजना के तहत अब तक 50 हजार से अधिक श्रद्धालु रामलला के दर्शन कर चुके हैं और यह क्रम निरंतर जारी है।

श्रीराम का छत्तीसगढ़ से संबंध बेहद आत्मीय : साय

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रभु श्रीराम से छत्तीसगढ़ का संबंध अत्यंत गहरा और आत्मीय है। यह माता कौशल्या की भूमि और प्रभु श्रीराम का ननिहाल है। वनवास काल में प्रभु श्रीराम ने लंबा समय छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर व्यतीत किया। माता शबरी की अनन्य भक्ति से जुड़ी शिवरीनारायण की धरती सहित प्रदेश के अनेक स्थान आज भी रामायणकालीन स्मृतियों और जनआस्था को संजोए हुए हैं। इसी आत्मीय संबंध के कारण अयोध्या में प्रभु श्रीराम की प्राण-प्रतिष्ठा का अवसर छत्तीसगढ़ के लिए भी विशेष भावनात्मक महत्व रखता था। पूरे प्रदेश में उत्सव और उल्लास का वातावरण था। छत्तीसगढ़ से 11 ट्रक सुगंधित चावल अयोध्या भेजकर प्रदेशवासियों ने अपनी श्रद्धा अर्पित की थी।

प्रधानमंत्री के मन की बात में छत्तीसगढ़ के 'हर घर मुनगा- घर घर मुनगा' अभियान की गूंज

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने नया रायपुर स्थित शासकीय निवास कार्यालय में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 138वीं कड़ी का श्रवण किया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से जुड़े विभिन्न प्रेरणादायी प्रयासों, जनभागीदारी, पोषण, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, स्थानीय उत्पादों और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विषयों पर अपने विचार साझा किए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में छत्तीसगढ़ के 'हर घर मुनगा-घर-घर मुनगा' अभियान का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि सितंबर माह कुपोषण के खिलाफ जागरूकता और पोषण को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है तथा छत्तीसगढ़ में लोगों को पौष्टिक मुनगा यानी मोरिंगा को अपने खान-पान में शामिल करने के लिए प्रेरित करने की पहल की जा रही है।

मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'मन की बात' जैसे सशक्त माध्यम से छत्तीसगढ़ की 'हर घर मुनगा-घर-घर मुनगा' पहल का उल्लेख किया जाना प्रदेशवासियों के लिए गर्व और हर्ष का विषय है। यह छत्तीसगढ़ की सकारात्मक सोच, जनभागीदारी और स्थानीय संसाधनों के माध्यम से पोषण को बढ़ावा देने के प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान का अवसर है।

उन्होंने कहा कि 'मन की बात' देशभर में हो रहे जनहितकारी और प्रेरणादायी प्रयासों को देशवासियों तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बन चुका है। इस कार्यक्रम के माध्यम से समाज के अलग-अलग वर्गों द्वारा किए जा रहे सकारात्मक कार्यों को व्यापक पहचान मिलती है और अन्य लोगों को भी ऐसे प्रयासों से जुड़ने की प्रेरणा मिलती है।

श्री अग्रवाल ने कहा कि मुनगा पोषण की दृष्टि से उपयोगी स्थानीय संसाधन है। 'हर घर मुनगा-घर-घर मुनगा' अभियान के माध्यम से इसे लोगों के दैनिक खान-पान का हिस्सा बनाने के लिए जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा इस पहल का उल्लेख छत्तीसगढ़ में पोषण के प्रति जनजागरूकता और जनभागीदारी को और गति देगा।

श्री अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान केवल अपनी प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत से ही नहीं, बल्कि स्थानीय संसाधनों और सामुदायिक सहभागिता से जुड़ी अनेक सकारात्मक पहलों से भी बन रही है। 'मन की बात' में इन प्रयासों की चर्चा होना प्रदेश की जमीनी पहलों को देश के व्यापक मंच से जोड़ने का अवसर है। 'मन की बात' में देश के विभिन्न हिस्सों से सामने आने वाली प्रेरणादायी कहानियां हमें जनभागीदारी से बड़े सामाजिक बदलाव का माध्यम बनने का संदेश देती हैं।

धमतरी के 86 आंगनबाड़ी केंद्रों में 'आंगन मिलन' का आयोजन

रायपुर। सेवा, संवेदना और जनसहभागिता की भावना को साकार करते हुए धमतरी जिले के 86 आंगनबाड़ी केंद्रों में 'आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत आयोजित इस विशेष पहल का मुख्य उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों को केवल पोषण वितरण तक सीमित न रखकर, इन्हें स्वास्थ्य, प्रारंभिक शिक्षा और सामाजिक संस्कारों के जीवंत सामुदायिक केंद्र के रूप में स्थापित करना है। इस जिलाव्यापी कार्यक्रम में मगरलोड, कुरूद, धमतरी शहरी, धमतरी ग्रामीण और नगरी क्षेत्रों के आंगनबाड़ी केंद्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान केंद्रों में बच्चों की खिलखिलाहट, महिलाओं की सक्रिय भागीदारी और मैदानी कार्यकर्ताओं के समर्पित प्रयासों का एक अद्भुत संगम देखने को मिला। जिलेभर में आयोजित इन कार्यक्रमों में कुल 4,173 प्रतिभागियों ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई, जिनमें 541 बच्चे, 1,028 महिलाएं और 1,930 पुरुष शामिल रहे।

विश्व पर्यटन दिवस

सेंट्रल इंडिया कनेक्ट छत्तीसगढ़ मार्केट प्लेस में पर्यटन मंत्री ने दोहराई प्रतिबद्धता

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल एवं छत्तीसगढ़ ट्रैवल ट्रेड एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में 'सेंट्रल इंडिया कनेक्ट छत्तीसगढ़ मार्केट प्लेस-2026' का आयोजन मेफेयर लेक व्यू रिसॉर्ट, नवा रायपुर में किया गया। आयोजन का उद्देश्य छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों को देश-विदेश के पर्यटन बाजार से जोड़ना, पर्यटन कारोबार को बढ़ावा देना तथा प्रदेश में पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के लिए पर्यटन उद्योग से जुड़े विभिन्न हितधारकों को एक मंच पर लाना था।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों, विशेषकर पड़ोसी राज्यों के टूर ऑपरेटर्स, ट्रैवल एजेंट्स, होटलियर्स, होम-स्टे संचालकों तथा विदेशी टूर एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा ने की। इस अवसर पर पर्यटन विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के प्रबंध संचालक सौमिल रंजन चौबे, एलियांज इंडिया एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीप भगत, छत्तीसगढ़ ट्रैवल ट्रेड एसोसिएशन के अध्यक्ष जसप्रीत भाटिया, कपिल जैन, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही कलेक्टर विजय दयाराम के., होटल मेफेयर के जीएम श्री नीलेश, जिला पंचायत जीपीएम के सीईओ मुकेश रावटे सहित पर्यटन उद्योग से जुड़े प्रतिनिधि, मीडिया प्रतिनिधि एवं पर्यटन मंडल के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि पर्यटन केवल घूमना-फिरना नहीं, बल्कि प्रकृति, संस्कृति, इतिहास, विरासत और स्थानीय अर्थव्यवस्था को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण क्षेत्र है। छत्तीसगढ़ के पास बस्तर की जीवंत जनजातीय संस्कृति, सरगुजा की प्राकृतिक सुंदरता, चित्रकोट और तीरथगढ़ जैसे जलप्रपात, सिरपुर की ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक विरासत, राजिम की धार्मिक आस्था, भोरमदेव की स्थापत्य कला और बारनवापारा का वन्यजीवन जैसी विविध पर्यटन संपदाएं हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर विशिष्ट पहचान दिलाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। पर्यटन विकास का उद्देश्य केवल पर्यटकों की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार, महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, कारीगरों एवं कलाकारों के लिए बाजार तथा ग्रामीण एवं जनजातीय समुदायों के लिए आजीविका के नए अवसर तैयार करना भी है।

श्री अग्रवाल ने कहा कि 'सेंट्रल इंडिया कनेक्ट छत्तीसगढ़ मार्केट प्लेस' पर्यटन कारोबारियों को देश-विदेश के पर्यटन बाजार से जोड़ने का महत्वपूर्ण मंच है। इससे व्यावसायिक साझेदारी बढ़ाने, नए पर्यटन बाजारों से जुड़ने, नए टूर पैकेज विकसित करने तथा छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों को अधिक से अधिक पर्यटकों तक पहुंचाने में सहायता मिलेगी। उन्होंने रायपुर में निर्माणाधीन फिल्म सिटी, भोरमदेव कॉरिडोर और जशपुर के मयाली क्षेत्र में पर्यटन विकास जैसी परियोजनाओं का भी उल्लेख किया।

छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा ने कहा कि यह आयोजन छत्तीसगढ़ के पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण प्रयास है। देश-विदेश के पर्यटन कारोबारियों और विभिन्न हितधारकों को एक मंच पर लाकर व्यावसायिक संबंधों को मजबूत करने तथा छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने ट्रैवल एजेंट्स से छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों को अपने टूर पैकेज में शामिल करने और प्रदेश की पर्यटन संभावनाओं को देश-दुनिया तक पहुंचाने में सहयोग करने का आह्वान किया।

उन्होंने बताया कि 400 से अधिक ट्रैवल एजेंसियां छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल से जुड़ चुकी हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इस नेटवर्क को और विस्तारित किया जाएगा।

नारायणपुर जिला प्रशासन की अनूठी पहल

पुनर्वासित युवाओं को एनएसडी दिल्ली में मिला नाट्य प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

नारायणपुर। जिला प्रशासन द्वारा पुनर्वासित एवं मुख्यधारा से जुड़ रहे युवाओं को कला एवं रंगमंच के माध्यम से सशक्त करने की दिशा में एक अभिनव पहल की गई। जिला प्रशासन द्वारा राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी), नई दिल्ली के साथ समन्वय कर नारायणपुर में 30 दिवसीय प्रस्तुतिपरक नाट्य प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित कराई गई।

जिला प्रशासन की पहल पर एनएसडी की टीम द्वारा पुनर्वासित सरेंडर नक्सल युवाओं एवं स्थानीय युवाओं को 30 दिनों तक नाट्य एवं कला का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान युवाओं को अभिनय, रंगमंच, प्रस्तुति एवं कला की विभिन्न विधाओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

इस 30 दिवसीय प्रशिक्षण का उद्देश्य पुनर्वासित युवाओं की रचनात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान करना, उनमें आत्मविश्वास विकसित करना तथा उन्हें कला एवं संस्कृति के माध्यम से समाज की मुख्यधारा से जोड़ना रहा। मूल कार्यशाला में 100 पुनर्वासित आदिवासी युवा तथा 25 स्थानीय युवा शामिल हुए थे। 30 दिवसीय प्रशिक्षण के उपरांत पुनर्वासित युवाओं ने तैयार की गई नाट्य एवं कला प्रस्तुति का मंचन किया। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले सरेंडर नक्सल युवाओं ने रायगढ़ में आयोजित चक्रधर समारोह के समापन समारोह में भी अपनी प्रस्तुति दी। यह प्रस्तुति उनके लिए एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक मंच पर अपनी कला और प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर रही। हिंसा से प्रभावित अतीत से निकलकर इन युवाओं का रंगमंच और कला के माध्यम से अपनी पहचान बनाना, उनके पुनर्वास और मुख्यधारा से जुड़ने की प्रक्रिया में एक सकारात्मक कदम के रूप में सामने आया है।

जिला प्रशासन द्वारा इस पहल की परिकल्पना युवाओं को उनकी प्रतिभा के अनुरूप अवसर उपलब्ध कराने तथा बस्तर की कला एवं संस्कृति को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है।

नारायणपुर जिला प्रशासन और राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली के इस समन्वित प्रयास ने पुनर्वासित युवाओं के लिए कला को अभिव्यक्ति, आत्मविश्वास और समाज की मुख्यधारा से जुड़ने के एक प्रभावी माध्यम के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल प्रस्तुत की है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950